JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग

केन्द्र व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

RNI Registration No. 3773 / 58
e-mail :dainikjanmarg@gmail.com
Website:- www.janmarg.com

जनमार्ग

निष्पक्ष ◆ निर्भिक ◆ सांध्य दैनिक

आज का मौसम
अधिकतम : 18
न्यूनतम : 21
हवा में नमी : 264

वर्ष : 66 ● अंक: 35 ● श्रीगंगानगर, शुक्रवार, 20.12.2024, मो. 94140-87692, 77421-86692, 0154-2970692 ● मूल्य: 2 रुपये ● पृष्ठ : 8

आपराधिक तत्वों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई: बिहाणी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। विधायक जयदीप बिहाणी ने कुलदीप सिंह राणा उर्फ राणा बाबा की हत्या की कड़े शब्दों में भर्त्सना की है। बिहाणी ने पुलिस प्रशासन से भी राणा बाबा की हत्या करने वाले आपराधिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है। विधायक जयदीप बिहाणी ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस बयान में कहा कि उनका राणा बाबा से न कोई संपर्क रहा है और न ही वे उसे जानते हैं। जिन आपराधिक तत्वों ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया है,उनसे मेरा संबंध बता कर मेरी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। इस बारे में वायरल विडियो राजनीति से प्रेरित है और इसे जानबूझ कर जारी किया गया है। विधायक ने कहा कि शहर में सौहार्दपूर्ण माहौल का होना जरूरी है । माहौल खराब करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करे।

जयपुर में हाइवे पर एलपीजी टैंकर फटा, 8 जिंदा जले

● 40 गाड़ियों में आग लगी, 35 लोग झुलसे ● 200 मीटर का इलाका आग का गोला बना

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजधानी जयपुर में आज सुबह करीब 5 बजे अजमेर हाईवे पर भांकरोटा के पास एलपीजी गैस से भरे टैंकर में धमाका हो गया। हादसे में 8 लोग जिंदा जल गए और 60 से ज्यादा लोग झुलस गए। वहीं, 40 से ज्यादा गाड़ियां आग की चपेट में आ गई। घटना ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित कई मंत्रियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर हादसे के कारणों की जानकारी ली। धमाके की आवाज़ 10 किलोमीटर दूर तक सुनी दी, जिससे स्थानीय लोग दहशत में आ गए। टैंकर को एक ट्रक ने टक्कर मारी थी। टैंकर से बाहर निकलने के बाद 200 मीटर दूर तक गैस फैल गई और अचानक आग पकड़ ली। इसके साथ ही पूरा इलाका आग का गोला बन गया। जानकारी के अनुसार टैंकर सुबह करीब अजमेर से जयपुर की ओर आ रहा था। सुबह करीब 5.44 मिनट पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने से वह वापस अजमेर की ओर यू-टर्न ले रहा था। इसी दौरान जयपुर से आ रहा ट्रक टैंकर से भिड़ गया। घटनास्थल पर पहुंचे भारत पेट्रोलियम के अधिकारियों ने बताया कि टैंकर एलपीजी गैस से भरा हुआ था। एक ट्रक टैंकर के नोजल से टकराया, इससे पांच नोजल टूट गए और टैंकर में मौजूद 18 टन गैस बाहर निकल गई और पूरे इलाके में फैली और आग लग गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज। घटनास्थल पर पहुंचे भारत पेट्रोलियम के अधिकारियों ने बताया कि टैंकर एलपीजी गैस से भरा हुआ था। एक ट्रक टैंकर के नोजल से टकराया, इससे पांच नोजल टूट गए और टैंकर में मौजूद 18 टन गैस बाहर निकल गई और पूरे इलाके में फैली और आग लग गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज। हादसे में 40 से ज्यादा गाड़ियां आग की चपेट में आ गई। कई गाड़ियां ऐसी थीं जिनमें से लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। टैंकर के पीछे चल रही एक स्लीपर बस और हाईवे के किनारे मौजूद पाइप फैक्ट्री भी जल गई।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला का निधन

● 89 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

जनमार्ग न्यूज

गुरुग्राम। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं इनेलो सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला का निधन हो गया है। वे 89 साल के थे। शुक्रवार को वे गुरुग्राम में अपने घर पर थे। उन्हें दिल का दौरा पड़ा। जिसके बाद साढ़े 11 बजे उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में लाया गया। करीब आधे घंटे बाद दोपहर 12 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। चौटाला 5 बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। आज शाम तक उनका पार्थिव शरीर सिरसा स्थित उनके पैतृक गांव चौटाला लाया जाएगा। जहां उसे अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद गांव में ही उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। ओपी चौटाला पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की 5 संतानों में सबसे बड़े थे। उनका जन्म 1 जनवरी, 1935 को हुआ। शुरुआती शिक्षा के बाद ही चौटाला ने पढ़ाई छोड़ दी थी। 2013 में शिक्षक भर्ती घोटाले के दौरान जब चौटाला तिहाड़ जेल में बंद थे तब उन्होंने 82 साल की उम्र में पहले दसवीं और फिर बारहवीं की परीक्षा पास की। ओमप्रकाश चौटाला की चुनावी राजनीति की शुरुआत 1968 में शुरू हुई। उन्होंने पहला चुनाव देवीलाल की परंपरागत सीट ऐलनाबाद से लड़ा। उनके मुकाबले पूर्व सीएम राव बीरेंद्र सिंह की विशाल हरियाणा पार्टी से लालचंद खोड़ ने चुनाव लड़ा। इस चुनाव में चौटला हार गए।

संसद का शीतकालीन सत्र खत्म, कुल 20 बैठकें

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार (20 दिसंबर) को समाप्त हो गया। यह सत्र 25 नवंबर से शुरू हुआ था। पूरे सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन (लोकसभा और राज्यसभा) में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 54 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। सदन में कुल चार बिल पेश किए गए। हालांकि कोई पारित नहीं हो सका। सबसे चर्चित एक देश, एक चुनाव के लिए पेश हुआ 129 वें संविधान (संशोधन) बिल रहा। इस बिल को समीक्षा के लिए 31 सदस्यीय जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के पास भेजा गया। कमेटी में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सांसदों को चुना गया है। कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी वाड्रा, मनीष तिवारी को शामिल किया गया है। भाजपा की तरफ से बांसुरी स्वराज, संबित पात्रा और अनुराग सिंह ठाकुर समेत 10 सांसद हैं।

आरएएस मेन्स-2023 का रिजल्ट अगले सप्ताह

जनमार्ग न्यूज

अजमेर। आरपीएससी (राजस्थान लोक सेवा आयोग) की ओर से आरएएस मेंस-2023 का रिजल्ट इसी महीने एक सप्ताह बाद जारी किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार एग्जाम की कॉपी चेकिंग का काम पूरा हो गया है। वर्तमान में री-चेकिंग की जा रही है, हालांकि परिणाम घोषित करने की आयोग ने अधिकृत घोषणा नहीं की है। आरपीएससी की ओर से 5 जिला मुख्यालयों के 71 परीक्षा केंद्रों पर 20 और 21 जुलाई को 5 जिला मुख्यालयों के 71 एग्जाम सेंटर पर आरएएस मेन्स-2023(राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी) का आयोजन किया गया था। 19 हजार 355 कैंडिडेट्स में से 16 हजार 405 एग्जाम में शामिल हुए थे। वहीं 2950 अनुपस्थित रहे।

सम्पादकीय

नौका कंपनियां कटघरे में

मुंबई में पर्यटन के लिए निकले यात्रियों को क्या पता था कि वे हादसे की नौका पर सवार हैं! बुधवार को हुई दुर्घटना ने एक बार फिर कई सवाल खड़ा कर दिए हैं, जिसमें घोर बदइंतजामी उजागर हुई है। इंजन परीक्षण के लिए जा रहा नौसेना का पोत अचानक नियंत्रण खो देगा, शायद इसकी कल्पना न तो इसके चालकों ने की होगी और न पर्यटकों को ले जा रही नौका के चालक सदस्यों ने। मगर इस घटना में जिस तरह की खामियां और लापरवाही सामने आई है, वह गंभीर है। दुर्घटना से पहले यह नौका गेटवे आफ इंडिया से पर्यटकों को लेकर एलिफेंटा द्वीप जा रही थी। उस समय इस पर एक सौ दस से अधिक यात्री सवार थे। जबकि नौका की क्षमता अस्सी यात्रियों की थी। सवाल है कि निर्धारित संख्या से अधिक यात्रियों को ले जाने की अनुमति किसने दी? संयोग की बात है कि हादसे के तुरंत बाद समुद्री पुलिस, तटरक्षक बल और नौसेना के बचाव दल के साथ मछुआरों ने भी आगे आकर निन्यानबे पर्यटकों को डूबने से बचा लिया। अगर जरा भी देरी हुई होती, तो कई और यात्रियों की जान चली जाती। दुखद है कि तीन नौसैनिकों और दस नागरिकों को नहीं बचाया जा सका। यात्रियों को सामान की तरह लाद कर ले जाने वाली नौका का संचालन करने वाली कंपनी अगर यात्रियों की निर्धारित संख्या का नियम तोड़ने पर सख्ती दिखाती और नौका पर हर यात्री के लिए जीवनरक्षक जैकेट न रखने जाने पर परिचालन कर्मियों से जवाब-तलब करती, तो शायद यह नौबत नहीं आती। समुद्र में पोत की टक्कर से नौका पलटने पर आखिर यात्री अपनी जान कैसे बचाते? हादसे में बचे पर्यटकों ने शिकायत की कि नौका पर उनके लिए पर्याप्त जीवनरक्षक जैकेट नहीं थे। यात्रियों की सुरक्षा की चिंता किए बिना नाव किस आधार पर चलाई जा रही थी? जाहिर है, ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए यात्रियों के जीवन को जोखिम में डालने वाली नौका कंपनियों को भी कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। प्रशासन ने अब नाव पर सवार होने वाले सभी यात्रियों के लिए जीवनरक्षक जैकेट बेशक अनिवार्य कर दिया हो, लेकिन ऐसे कदम हादसे के बाद उठाने के बजाय अगर नियमित सुरक्षा इंतजामों की निरंतर जांच और निगरानी हो, तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती है।

कृतज्ञता की भी होती है एक सीमा

बाबा साहेब ने कहा था 'हम भारतीयों को एक महान व्यक्ति के पैरों में अपनी स्वतंत्रता गिरवी नहीं रखनी चाहिए और तमाम शक्तियों से लैस उस महान व्यक्ति पर भी ज्यादा विश्वास नहीं करना चाहिए, जिससे कि वह हमारी संस्थाओं का नाश करने में सक्षम हो जाए। इसमें कुछ भी गलत नहीं है कि हम उन लोगों के प्रति आभारी बनें, जिन्होंने देश के लिए जीवन भर सेवाएं दीं, लेकिन कृतज्ञता की भी एक सीमा होनी चाहिए। भक्ति (किसी व्यक्ति की) या नायक पूजा लोकतंत्र के क्षरण और संभावित तानाशाही के लिए एक मार्ग प्रशस्त करती है।' इस उक्ति को मैं इंदिरा गांधी से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री तक के संदर्भ में देखता हूं।

अमित शाह के बयान को बाबा साहेब के संविधान सभा में दिए अंतिम भाषण के सन्दर्भ में देखना काफी दिलचस्प होगा। अमित शाह की यह एक खूबी राजनीति में रेयर है, पॉलिटिकल करेक्ट न हो तब भी वो बात कहने की ताकत। बाबा साहेब ने संविधान सभा के अपने अंतिम भाषण में तीन महत्वपूर्ण बातें कही थी। ये बातें नहीं चेतावनी थी। भारत के हर नागरिक को इसे ताबीज बना कर अपने गले से लटका कर चलना चाहिए, क्योंकि ये तीन चेतावनियां ही किसी को भी एक लोकतांत्रिक राष्ट्र का सशक्त नागरिक होने का एहसास कराती हैं।

बाबा साहेब ने जॉन स्टुअर्ट मिल को कोट करते हुए कहा था 'हम भारतीयों को एक महान व्यक्ति के पैरों में अपनी स्वतंत्रता गिरवी नहीं रखनी चाहिए और तमाम शक्तियों से लैस उस महान व्यक्ति पर भी ज्यादा विश्वास नहीं करना चाहिए, जिससे कि वह हमारी संस्थाओं का नाश करने में सक्षम हो जाए। इसमें कुछ भी गलत नहीं है कि हम उन लोगों के प्रति आभारी बनें, जिन्होंने देश के लिए जीवन भर सेवाएं दीं, लेकिन कृतज्ञता की भी एक सीमा होनी चाहिए। भक्ति (किसी व्यक्ति की) या नायक पूजा लोकतंत्र के क्षरण और संभावित तानाशाही के लिए एक मार्ग प्रशस्त करती है।' इस उक्ति को मैं इंदिरा गांधी से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री तक के संदर्भ में देखता हूं। कदाचित, मैं अमित शाह की तारीफ़ नहीं करता। लेकिन, कल-परसों जब बाबा साहेब वाली टिप्पणी उन्होंने की, तो मुझे लगा कि यह शख्स इतना अबूझ भी नहीं की राजनीतिक रूप से इतना खतरनाक बयान दे। यह शायद इस व्यक्ति की मूलवृति है कि सच बोल दो, भले नुकसान हो जाए। वैसे भी जो अपने घर से निकाला जा चुका हो, उसे और अधिक भय क्या होगा?

गांधी जी के चतुर बनिए बयान से बाबा साहेब पर ताजा बयान तक, अमित शाह का बयान मैं सिर्फ और सिर्फ उपरोक्त कोट (बाबा साहेब के भाषण) के सन्दर्भ में ही देखना चाहता हूं। और तमाम बाबा साहेब में आस्था रखने वालों से पूछना चाहता हूं कि आप बाबा साहेब को कितना जानते हैं, कितना अपधाते हैं और क्या आपने सिर्फ इसी एक भाषण के अंश को पढ़ा और समझा है, जिसमें बाबा साहेब खुद व्यक्ति पूजा, नायक पूजा को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हैं। आप बाबा साहेब के निर्देश (पढ़ो-लिखो, ताकतवर बनो) पर कितना अमल करते हैं। आपके लिए नायक प्रोफ़ेसर रतन लाल होने चाहिए, जिन्होंने पढ़ लिखकर अपने समाज के लिए मिसाल पेश की या कोई टुच्चा नेता, जिसकी भाषा में भी बाबा साहेब की शाब्दिक गरिमा तक नहीं झलकती? या आपको मैनिपुलेट करने वाला एक टुच्चा टाइप पूर्व पत्रकार जो आजकल सरकार की नायक और व्यक्ति पूजा में लीन है? मैं बस इन चंद सरल सवालों तक ही रुक जाता हूं। क्योंकि मेरे कठिन प्रश्न अलबत्ता आपको समझ नहीं आएंगे, आ भी गए तो जवाब आप दे नहीं पाएंगे। ऐसे में अमित शाह ने बिलकुल सही कहा कि आप किसी व्यक्ति को फैशनेबल बना कर अपने समाज या राष्ट्र का भला नहीं कर सकते।

जैसे, वीर सावरकर या दीनदयाल उपाध्याय का नाम लेते रहने से हिन्दुओं का कोई भला नहीं होने वाला है।

क्योंकि मैं तमाम भाजपा समर्थकों से सिर्फ इतना पूछ लूं कि दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद का सर्पिल संरेखण (स्पाइरल स्ट्रक्चर) का अर्थ क्या है, तो मुंह बा देंगे। इसलिए, मुझे लगता है कि पॉपुलर परसेप्शन से दूर जाकर खतरनाक सच बोलने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए। यह हिम्मत मैं राहुल गांधी में भी कई बार देखता हूँ, लेकिन मनुस्मृति बिना पढ़े उस पर टिप्पणी करके वे कभी-कभी लड़खड़ा जाते हैं। ऐसे में अमित शाह का बयान राजनीतिक रूप से भले करेक्ट न हो, व्यवहार्य में एकदम सटीक है। आप माने ना माने। हिन्दुस्तान के दलित विमर्श में या अन्य ऐसे किसी भी ऐसे विमर्श को लेकर एक बड़ी दुविधाजनक स्थिति है। दलित साहित्य पर बात प्रेमचंद करेंगे, लेकिन उनकी आलोचना होगी। बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री दोक्टोरे श्रीकृष्ण सिंह देवघर के मंदिर में दलितों को एंट्री दिलाएंगे और भारत का पहला राज्य बिहार को बनाएंगे जहां, बाकायदा क़ानून बनाकर जमींदारी प्रथा का उन्मूलन किया गया, लेकिन उन्हें हमेशा सवर्णों का नेता ही माना जाएगा।

वैसे ही वीपी सिंह ने मंडल आरक्षण के जरिये एक मूक सामाजिक क्रान्ति ला दी, लेकिन पिछड़ों का नेता उन्हें कभी नहीं माना जाएगा। तो, यह सब परसेप्शन और एक आम धारणा का खेल है, जो अक्सर राजनीति में सबसे फिट बैठता है। मसलन, मुस्लिम तुष्टिकरण एक ऐसा शब्द है, जिसे मैं आज तक समझ नहीं पाया। 70 साल तक अगर किसी एक कौम का तुष्टिकरण किसी दल ने किया, तब भी वह कौम आज विकास के सभी पैमानों पर कहां है, इसे बताने के लिए इस देश को सच्चर कमेटी और रंगनाथ मिश्रा कमिशन बनाना पड़ता है। ऐसे में, बाबा साहेब के नाम पर या कांशीराम जी के नाम पर राजनीति तो होगी ही, लेकिन उनके विचारों को कितना अमल में लाया जाएगा, यह किसी के एजेंडे पर नहीं है। चाहे वह कांग्रेस हो, मायावती हो या भाजपा ही क्यों न हो? इस हमाम में सब साफ़-सुथरे कपड़े पहनकर मजा ले रहे हैं। ऐसी स्थिति में अमित शाह या किसी भी नेता के द्वारा बाबा साहेब पर ऐसा बयान देना कितना खतरनाक हो सकता है, सब जानते हैं। फिर भी, सच बोलना हिम्मत की बात है। अमित शाह ने हिम्मत के साथ बयान दिया। और मैं इसलिए ऐसा कह रहा हूं कि मैं इस बयान को सिर्फ और सिर्फ बाबा साहेब के उपरोक्त भाषण के नजरिये से ही देख रहा हूं। रही बात विकास की, तो कौन किसका विकास करता है, यह सवर्ण भी जानते हैं, दलित भी जानते हैं, पिछड़े भी जानते हैं, अल्पसंख्यक भी। लेकिन, राजनीति है और राजनीति सबको करनी है, सो राजनीति का लोकतंत्र का नृत्य जारी है।

बता दें कि बुधवार 18 दिसंबर को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था, 'अभी एक फैशन बन गया है... अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।' अमित शाह के बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को लेकर दिए गए इस बयान पर राजनीति गरमा गई है। पूरे देश में बाबा साहेब के अनुयायियों और विपक्ष में गृहमंत्री अमित शाह के लिए जबरदस्त गुस्सा और आक्रोश व्याप्त है। वहीं, अमित शाह ने इस पूरे मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। पहले उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के एडिटेड कर के शेयर किया था। मैं मीडिया से भी अनुरोध करना चाहता हूं कि वह मेरा पूरा बयान जनता के सामने रखें, मैं उस पार्टी से हूं जो कभी भी अंबेडकर जी का अपमान नहीं कर सकती। जब भी भारतीय जनता पार्टी सत्ता में रही, अम्बेडकर जी के सिद्धांतों का पालन किया। हमने आंबेडकर जी के सिद्धांतों का प्रचार किया है।

विलो-क्वांटम चिप कंप्यूटर तकनीक का नया आधार

गूगल ने वर्ष 2024 के अंतिम माह दिसंबर में विलो नाम की क्वांटम चिप बनाकर तकनीक के क्षेत्र में बड़ा हल्ला मचा दिया है। अत्यंत सूक्ष्म महज 4 वर्ग सेंटीमीटर की यह चिप एक तरफ तो 30 साल से भी ज्यादा पुरानी समस्या का हल खोजने में सक्षम है, वहीं यह चिप 5 मिनट में ऐसे कार्य कर सकती है, जिन्हें करने में सबसे तेज सुपर कंप्यूटर को भी 10 सेप्टिलियन अर्थात अरबों साल लग सकते हैं। अतएव इससे कृत्रिम बुद्धि, फ्यूजन ऊर्जा तथा ब्रह्मांड के तारामंडल के गृह-नक्षत्रों को जानने में मदद मिलेगी। मौसम व प्राकृतिक आपदाओं की सटीक भविष्यवाणी करने में सुविधा होगी। तकनीक के क्षेत्र में इस नवीन उपलब्धि की सर्वत्र चर्चा है। एलन मस्क जैसे लोग इस उत्पाद को लेकर अचंभित हैं। इसलिए इसे सुपर ब्रेन की संज्ञा दी जा रही है। विलो चिप व्यावसायिक रूप में क्वांटम कंप्यूटिंग की नई दिशा तय करती हुई मील का पत्थर साबित होगी। दुनिया में इस समय दिन दूनी ,रात चौगुनी गति से प्रगति हो रही है। कुछ समय पहले तक असंभव सी लगने वाली चीजें आज प्रौद्योगिकी की मदद से सरलता से परिणाम तक पहुंच रही हैं। एक समय संगणक के विकास ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किया था। अब कृत्रिम बौद्धिकता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) ने चिकित्सा से लेकर हथियारों के निर्माण तक हर क्षेत्र में कंप्यूटर और रोबोट के प्रयोग को नया आयाम दिया है। पारंपरिक कंप्यूटर की दुनिया में इस प्रगति के समानांतर एक और अनुसंधान चल रहा है, जिसका नाम है 'क्वांटम कंप्यूटिंग' यानी अति-सूक्ष्मता का विज्ञान। भारत ने भी अब इस क्षेत्र में गति लाने का ऐलान कर दिया है। भौतिक-शास्त्र के क्वांटम सिद्धांत पर काम करने वाली इस कंप्यूटिंग में असीमित संभावनाएं देखी जा रही हैं। शोध के लिहाज से यह विषय किसी के लिए भी रुचिकर हो सकता है। इस क्वांटम कंप्यूटिंग या मैकेनिक्स की खास बात यह है कि इसकी शुरुआत के बाद भारतीय और पश्चिमी वैज्ञानिक यह मान रहे हैं कि भारतीय भाववादी सिद्धांत को जाने बिना अणु या कण में चेतना का आकलन नहीं किया जा सकता। क्वांटम भौतिकी और कृत्रिम बौद्धिकता एक तरह से चेतना के भाववादी सिद्धांत को ही अस्तित्व में लाने के उपाय हैं। क्वांटम कंप्युटिंग या यांत्रिकी एक लैटिन शब्द है। इसका अर्थ अतिसूक्ष्म कण है। इस विषय के अंतर्गत पदार्थ के अति सूक्ष्म कणों का अध्ययन किया जाता है। इनमें परमाणु, न्यूक्लियस एवं इलेक्ट्रॉन व प्रोटॉन सभी मौलिक कणों का अध्ययन शामिल है। इसमें इनके व्यवहार और उपयोगिता का अध्ययन किया जाता है।

क्वांटम सिद्धांत के तहत अणु, परमाणु और इनके भी मूलभूत कण बेहद लघुतम अवस्था में मौजूद रहते हैं। इस खोज पर 1918 में मैक्स प्लांक को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार भी मिला। 1924 में सत्येंद्रनाथ बोस ने प्लांक के विकिरण नियम को समझाने के लिए एक सर्वथा नवीन विधि सुझाई। उन्होंने प्रकाश की कल्पना द्रव्यमानरहित कणों के एक गैस पिंड के रूप में ली। इसे फोटॉन गैस के रूप में मान्यता मिली। बाद में इस मान्यता को अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी स्वीकृति दी। कण-यांत्रिकी को कल के कंप्यूटर का भविष्य माना जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि इसकी मदद से आंकड़ों और सूचनाओं को कम से कम समय में प्रसारित किया जा सकेगा। एआइ,जीपीटी चैट और चैटबॉट जैसी तकनीक इसकी सहायता से और तेजी से गतिशील रहेंगी। लेकिन विलो चिप निर्माण कर लिए जाने की घोषणा ने सुपर कंप्यूटर के निर्माताओं को फिलहाल सकते में डाल दिया है क्योंकि विलो चिप की क्षमताएं ब्रह्मांड व्यास की तरह शक्तिशाली और असीमित बताई गई हैं। ऐसा भी माना जा रहा है कि क्वांटम यांत्रिकी का क्षेत्र जितना महत्वपूर्ण है, उस तुलना में इस क्षेत्र में कुशल युवाओं की संख्या बहुत कम है।

क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता को देखते हुए इसके विकास में भारत समेत अनेक देश लगे हैं। यही वजह है कि आविष्कार से पहले इसकी क्षमताओं का मूल्यांकन कर लेने वाले देश इसके अनुसंधान पर बड़ी राशि खर्च कर रहे हैं। चीन ने 15 अरब डॉलर खर्च करने की घोषणा की है। यूरोपीय यूनियन ने इस क्षेत्र में करीब 8 अरब डॉलर खर्च कर रही है। भारत सरकार ने भी इस दिशा में शोध को बढ़ावा देने के लिए क्वांटम सूचना-विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्था का गठन तो पहले ही कर लिया था, लेकिन केवल क्वांटम तकनीक पर नवीन शोध और आविष्कार के लिए 2023-24 से 2030-31 तक चलने वाले इस अभियान पर इस 6003.65 करोड़ खर्च किए जाएंगे। भारत इतनी बड़ी राशि पहली बार खर्च कर रहा है।

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना।सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गईं शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

हनुमान जी ने सूर्य देव से हासिल किया था ज्ञान

गुरु पूर्णिमा पर गुरु का पूजन किया जाता है। शास्त्रों में गुरु को भगवान के बराबर माना गया है। महाभारत, रामायण में गुरु-शिष्य से जुड़ी कई कथाएं हैं। सूर्य पंचदेवों में से एक हैं और हनुमान जी के गुरु भी हैं। बाल हनुमान जब थोड़े बड़े हुए तो माता अंजनी और पिता केसरी ने उन्हें सूर्य देव के पास ज्ञान हासिल करने के लिए भेजा। माता-पिता की बात मानकर हनुमान जी ने सूर्य देव के पास पहुंचे और उनसे गुरु बनने के लिए प्रार्थना की। हनुमान जी की बात सुनकर सूर्य देव ने कहा कि मैं तो एक पल के लिए कहीं रूका नहीं हूं, न ही मैं रथ से उतर सकता हूं तो ऐसी स्थिति में मैं तुम्हें ज्ञान नहीं दे पाऊंगा। तब हनुमान जी ने कहा कि आप अपनी गति कम किए बिना ही मुझे ज्ञान दीजिए। मैं आपके साथ चलते-चलते विद्या हासिल कर लूंगा। इस बात के लिए सूर्य देव मान गए। इसके बाद सूर्य देव ने हनुमान जी को सभी वेदों और शास्त्रों का ज्ञान दिया। इस प्रकार सूर्यदेव की कृपा से ही हनुमान जी को ज्ञान मिला। इस प्रसंग में हनुमान जी ने संदेश दिया है कि योग्य गुरु से ज्ञान हासिल के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। योग्य गुरु ही हमें सही ज्ञान प्रदान कर सकते हैं। आज योग्य गुरु की तलाश काफी कठिन हो गई है।

नशा ब्रेन को गुलाम बना लेता है, मिट जाता है सही–गलत फर्क

हमारी छोटी–छोटी आदतें, जिन्हें हम हल्के में लेते हैं, अचानक हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन जाती हैं। हमें इसका एहसास भी नहीं होता है। यह एक ऐसी मानसिक और शारीरिक स्थिति है, जो हमें किसी खास आदत या नशे पर पूरी तरह से निर्भर बना देती है। चाहे वह शराब, तंबाकू हो या फिर सोशल मीडिया और इंटरनेट की लत। एडिक्शन का रूप अलग–अलग हो सकता है, लेकिन इसका असर एक ही है। यह हमारी मेंटल और फिजिकल हेल्थ को धीरे–धीरे दीमक की तरह खा जाता है। क्या आपने कभी महसूस किया है कि किसी बुरी आदत के कारण आपकी जिंदगी पर गहरा असर पड़ रहा है, लेकिन फिर भी आप उसे छोड़ नहीं पा रहे हैं? यही एडिक्शन का जाल है। यह धीरे–धीरे हमारे मस्तिष्क को अपने कब्जे में ले लेता है। हम सभी के लिए नशे की लत को पहचानना उतना मुश्किल नहीं है, जितना स्वीकार करना है। अक्सर समाज में इसके बारे में बात करने पर शर्मिंदगी महसूस होती है। हालांकि, इस समस्या को स्वीकार करना ही ठीक होने की दिशा में पहला कदम है। आइए, कुछ सवालों के जरिए नशे की लत को पहचानने की कोशिश करें। खुद से यह सवाल करें और जवाब 'हां' में हो तो आपको अपने बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है। अगर इनमें से किसी सवाल का उत्तर आपने 'हां' में दिया है, तो आपको संभल जाने की जरूरत है। आप बिना संकोच किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकते हैं। नशा ब्रेन के रिवॉर्ड सिस्टम और इमोशनल रिएक्शंस को प्रभावित करता है। ब्रेन के चार हिस्से नशे की लत में गहराई से शामिल होते हैं। आइए इसे ग्राफिक के माध्यम से समझते हैं कि यह कैसे काम करता है। यह ब्रेन के रिवॉर्ड सिस्टम के सेंटर के रूप में काम करता है। जब कोई व्यक्ति ड्रग्स, शराब या कोई और नशा करता है, इससे डोपामाइन हॉर्मोन रिलीज होता है, जो खुशी का एहसास देता है। बार–बार डोपामाइन का स्तर बढ़ने

से ब्रेन के लिए यह स्तर सामान्य हो जाता है। ऐसे में खुशी पाने के लिए ज्यादा नशे की जरूरत होती है। यही नशे की लत का कारण है। जैसे ड्रग्स लेने के बाद व्यक्ति और अधिक ड्रग्स पाने के लिए पागलपन की हद तक काम करता है। यह इमोशंस, विशेष रूप से डर, तनाव और गुस्से को नियंत्रित करता है नशा तनाव या भावनात्मक दर्द को कम करता है। ऐसे में व्यक्ति इसे राहत पाने के साधन के रूप में उपयोग करने लगता है। तनावपूर्ण परिस्थितियों में लोग अक्सर शराब, ड्रग्स या किसी अन्य नशे का सहारा लेते हैं। धीरे–धीरे यह आदत बन जाती है। नशे से जुड़े सुखद अनुभव दिमाग को याद रहते हैं। इसी वजह से व्यक्ति बार–बार उस अनुभव को पाना चाहता है। अगर व्यक्ति किसी पार्टी में नशे का सेवन करता है, तो उस पार्टी में उसे नशे की इच्छा हो सकती है। नशा मस्तिष्क के इस भाग को कमजोर कर देता है, जिससे व्यक्ति सही और गलत का निर्णय नहीं ले पाता है। नशे में डूबा व्यक्ति यह समझने में असमर्थ हो जाता है कि यह आदत उसकी सेहत और जीवन को नुकसान पहुंचा रही है। जब आप किसी नशे का नियमित सेवन करते हैं, तो शरीर और दिमाग धीरे–धीरे उस नशे का आदी हो जाता है। शुरुआत में जो छोटी मात्रा आपको राहत देती थी, अब इतनी असरदार नहीं होती है। इस वजह से आपको वही खुशी पाने के लिए अधिक नशे की जरूरत पड़ती है। यह सिर्फ आपकी आदत नहीं, बल्कि आपकी मानसिक और शारीरिक स्थिति को भी बदल देता है। क्या आपने कभी महसूस किया है कि पहले एक ग्लास शराब या सिगरेट के एक कश से आपको सुकून मिलता था, वही अब अधूरा सा लगता है? यह उस टॉलरेंस का असर है, जो आपके शरीर में विकसित हो चुका है। इसे समझना और समय रहते पहचानना सबसे जरूरी कदम है। लगातार नशे की वजह से दिमाग का रिवॉर्ड सिस्टम काम करना बंद कर देता है। नशे से भी खुशी मिलना बंद हो जाती है। इसके बावजूद नशे की इच्छा बनी रहती है। इसकी वजह यह है कि दिमाग पुराने अनुभवों को याद रखता है। जैसे ही पुरानी यादें ताजा होती हैं, फिर से नशे की इच्छा होती है। यह लालसा नशे की लत को और बढ़ाती है। यह इतनी मजबूत होती है कि व्यक्ति कई सालों बाद पुरानी आदतों की ओर खिंचा चला जाता है। अगर कोई व्यक्ति पहले शराब का नशा करता रहा हो, तो बोतल देख कर फिर से पीने की इच्छा हो सकती है। कंडीशंड लर्निंग यह समझने में मदद करती है कि नशे की लत से उबरने के बाद लोग दोबारा उसी लत की ओर जा सकते हैं। वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी बताते हैं कि नशे की लत एक मानसिक रोग है। यह मस्तिष्क की कार्यप्रणाली और व्यवहार को प्रभावित करता है। इसे केवल इच्छाशक्ति से नहीं छोड़ा जा सकता है। नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए सही समय पर मनोचिकित्सक की मदद और परामर्श आवश्यक है, जिससे नशे की आदत से पीड़ित व्यक्ति उचित उपचार और सहायक वातावरण के माध्यम से स्वस्थ जीवन की ओर लौट सके। नशे से छुटकारा पाना लंबी और कठिन प्रक्रिया है। इसके इलाज के साथ हमें सकारात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। हम कुछ ऐसे कदमों के बारे में बात करते हैं, जो नशे से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकते हैं। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। बदलाव धीरे–धीरे होता है, लेकिन लगातार प्रयास और आत्मविश्वास के साथ हम नशे से पूरी तरह मुक्त हो सकते हैं। एक स्वस्थ, खुशहाल जीवन जी सकते हैं। इस प्रक्रिया में धैर्य के साथ निरंतरता महत्वपूर्ण है।

CMYK

जनमार्ग

सिटी न्यूज

JANMARG news

श्रीगंगानगर, शुक्रवार, 20 दिसम्बर 2024

3

» रायसिंहनगर » गजसिंहपुर » सादुलशहर » अनूपगढ़ » रामसिंहपुर » जैतसर » पक्कासहारणा » केसरीसिंहपुर » पदमपुर » लालगढ़ » मांझूवास » फकीरवाली » श्रीबिजयनगर

एक्सीलेंस सेंटर से सिरेमिक उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा: टी. रविकान्त

❑ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सिरेमिक्स में एकेडेमेशिएंस, तकनीकी विशेषज्ञों, सिरेमिक उद्योग व माइनिंग व भूविज्ञान सेक्टर के विशेषज्ञों की होगी सहभागिता : रविकान्त ❑ सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स फॉर सिरेमिक्स की शुरुआत की आवष्यक तैयारियां अंतिम दौर में

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव माइंस, भूविज्ञान व पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने कहा है कि राज्य में सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स फॉर सिरेमिक्स की स्थापना से खनिज सिरेमिक के एक्सप्लोरेशन, खनन, गुणवत्ता, प्रसंस्करण, विश्वस्तरीय शोध, सिरेमिक आधारित उद्योगों की स्थापना सहयोग, मार्गदर्शन, टेस्टिंग और सिरेमिक उत्पादों के निर्माण तकनीक बदलावों को साझा करने और अनुभवों का लाभ प्राप्त करने के साथ ही प्रदेश में सिरेमिक उद्योग को बढ़ावा दिया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स फॉर सिरेमिक्स की शुरुआत की आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में है।

प्रमुख शासन सचिव माइंस टी. रविकान्त गुरुवार को सचिवालय से वर्चुअली बैठक के माध्यम से देश और प्रदेश के जाने माने एकेडेमियंस, विशेषज्ञों, तकनीकी एक्सपर्ट, स्टार्टअप, स्टेक होल्डर्स सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर राजस्थान में सिरेमिक मिनरल्स के विपुल भण्डार के खनन से प्रसंस्करण तक विश्वस्तरीय शोध, तकनीक, विश्वस्तरीय उत्पाद, सिरेमिक मिनरल्स की राज्य में ही प्रोसेसिंग को ब?ावा देकर सिरेमिक क्षेत्र में देश दुनिया में राजस्थान की पहचान बनाने की पहल की है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सिरेमिक मिनरल्स बाल क्ले, सिलिका सैंड, क्वार्ट्ज, चाइना क्ले, फेल्सपार इत्यादी के बीकानेर, अजमेर, बाड़मेर, भीलवाडा, चित्तोडगढ, जयपुर, करौली, नागौर, पाली व राजसमन्द जिलों में विपुल भण्डार उपलब्ध है। राजस्थान का कच्चा माल प्रोसेस होने के लिए अन्य प्रदेशों में जा रहा है। जबकि प्रदेष में ही सिरेमिक आधारित उद्योगों की स्थापना व रोजगार के अवसरों की विपुल संभावनाएं है।

टी. रविकान्त ने बताया कि एक्सीलेन्स सेंटर के संचालन में एकेडेमेशिएंस, तकनीकी विशेषज्ञों, सिरेमिक उद्योग से जु? हुए प्रतिनिधियों व माइनिंग व भूविज्ञान सेक्टर के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभाग को कोर टीम गठित करने और

सीजीसीआरआई के विस्तारित सेंटर के अध्ययन के लिए अधिकारियों का दल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेंटर शुरु होते ही तत्काल आरंभ की जाने वाली सेवाओं को चिन्हित कर लिया जाए ताकि सेंटर स्थापना के पहले दिन से ही अपनी लाभदायकता सिद्ध कर सके। उन्होंने विस्तार से प्रतिभागियों से क्या, क्यों और कैसे पर चर्चा की ताकि एक्सीलेंस सेंटर फॉर सिरेमिक्स अधिक उपादेय हो सके। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय और एमडीएम विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. अजय शर्मा ने कहा कि राजस्थान मिनरल्स का प्रदेश है। हमें शोध, इंजीनियरिंग सिस्टम के साथ ही उत्पादों की गुणवत्ता जांच व परिमार्जन की संभावनाओं पर भी काम करना होगा। निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि विभाग द्वारा एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना के लिए विशेषज्ञों से राय लेकर उसे और अधिक उपादेय बनाया जा रहा है। सिरेमिक मिनरल्स का ग्लास, सिरेमिक्स, बिजली के काम आने वाले इंसूलेटर, टायलेट में काम आने वाले सेनेटरीवेयर उत्पाद, रियल एस्टेट में काम आने वाली टॉयल्स, पॉट्री, ब्रिक्स, सेमी कण्डक्टर सहित विभिन्न उत्पादों को तैयार करने में सिलिका मिनरल्स की प्रमुख व प्रभावी भूमिका है। कलाल ने बताया कि कोर कमेटी, अध्ययन दल और सेंटर के गवर्निंग काउंसिल व एक्जीक्यूटिव काउंसिल के प्रस्तावों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। प्रिसिंपल साइंटिस्ट सीजीसीआरआई डॉ.पीके सिन्हा, नरोडा खुरजा के प्रभारी डॉ. एलके शर्मा, अन्ना यूनिवर्सिटी चेन्नई की प्रोफेसर मनीषा, आईआइटी बीएसयू सेरेमिक के प्रोफेसर शांतनु दास, सीजीसीआरआई एनआईआईटी व आईआईएसटी तिरुवनंतपुरम के अनंत कुमार, एलिटेक अर्थ साइंस कोलकोता के अजित सिंह चौधरी, डॉ.एनके शर्मा, प्रिंसिपल बीटीयू वाईएन सिंह आदि ने विस्तार से सेंटर की आवश्यकता, उदादेयता, आवश्यक सेवाओं और फेजिंग मैनर में सुविधाओं के विस्तार के संबंध में विचार साझा किये।

अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान एसएन डोडिया को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को निर्देशित किया गया। बैठक में संयुक्त निदेशक आशु चौधरी, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा ने भी हिस्सा लिया। एडी माइंस वाईएस सहवाल, एसएमई डॉ. धर्मेन्द्र लोहार, एसजी जीएस शेखावत, श्रीकरणवीर, गोपालराम, एमई श्रीएमपी पुरोहित, महाप्रबंधक डीआईसी श्रीमती मंजू नैन सहित खान व भूविज्ञान, उद्योग, विष्वविद्यालयों, कॉलेजों, माइनिंग एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने वर्चुअली हिस्सा लिया।

छात्राओं को कैंसर के प्रति किया जागरूक

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। महिलाओं में कैंसर रोग के लक्षण तथा बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए श्री आत्म वल्लभ जैन कन्या महाविद्यालय, श्रीगंगानगर द्वारा बृहस्पतिवार को कैंसर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। महाविद्यालय निदेशक डॉ. संजय अरोड़ा ने बताया कि महाविद्यालय प्रांगण में हुए इस कार्यक्रम में पूर्व एडिशनल सीएमएचओ डॉ. दीपिका मोंगा ने छात्राओं को कैंसर के लक्षण के बारे में जानकारी देते हुए इन्हें नजरअंदाज नहीं करने तथा आवश्यक सावधानियों की पालना करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर, गर्भाशय कैंसर, त्वचा कैंसर, स्तन कैंसर के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत करवाया तथा पौष्टिक आहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है। जिन परिवार में किसी सदस्य को पहले कैंसर हुआ है, उन्हें विशेष रूप से सजग रहने पर बल दिया। डॉ. दीपिका मोंगा ने कहा कि अनियमित दिनचर्या और खानपान की गलत आदतों के कारण कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। कैंसर से बचने के तरीके से बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जागरूकता से ही बचाव सम्भव है तथा कैंसर रोग का पता चलने पर पहली स्टेज पर इलाज करवाने से व्यक्ति स्वस्थ जीवन जी सकता है। टांटिया विश्वविद्यालय की सोशल एक्टिविटी कॉर्डिनेटर सरिता शर्मा ने नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी तथा नशा मुक्त भारत का संदेश दिया। मंच संचालन उपप्राचार्य डॉ. निक्की शर्मा ने किया। इस अवसर पर छात्राओं सहित स्टाफ सदस्य उपस्थित थे तथा सभी ने इस स्वर में इस सेमिनार की सराहना करते हुए कहा कि इससे उनकी कैंसर रोग सम्बन्धी अनेक भ्रांतियों का भली-भांति निवारण हुआ है।

सांसद कुलदीप इंदौरा को सौंपा ज्ञापन

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। जेसीटी मिल कॉलोनी के आवासीय पट्टो का अधिकार कॉलोनी निवासियों को दिलाने के लिए माननीय सांसद कुलदीप इंदौरा जी के निवास स्थान पर यशपाल सिंह चौहान के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया जिसमें संघर्षरत सभी कॉलोनी निवासी अधिक से अधिक संख्या में शामिल थे ज्ञापन में एक सूत्रीय मांग जल से जल्द पट्टे बनवाने की रखी गई। पत्रकार वार्ता में लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। कॉलोनी की समिति ने आगे की भी सारी रूपरेखा तैयार कर ली है। जल्द से जल्द अपना हक और अधिकार लेकर रहेंगे।

गांव डबली सहित अन्य ग्रामीणों ने आरयूबी निर्माण की मांग की

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। गुरूवार को जिला कलैक्ट्रैट में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान गांव डबली सहित आसपास के ग्रामीणों ने जिला कलक्टर कानाराम और विधायक गणेशराज बंसल से रेलवे लाईन के समीप आरयूबी (रेलवे अंडर ब्रिज) निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ करने की अपील की। ग्रामीणों ने इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें फाटक संख्या सी-78 से पश्चिम दिशा की ओर लगभग 1200 मीटर की दूरी पर रेलवे लाईन और स्टेट हाईवे के मध्य स्थित रास्ते पर आरयूबी निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि फाटक संख्या सी-78 से पश्चिम दिशा में लगभग 1200 मीटर की दूरी पर स्थित रेलवे लाईन के दक्षिण और उत्तर दिशा की ओर, स्टेट हाईवे के मध्य गैर मुमकिन रास्ता पर आरयूबी निर्माण की स्वीकृति 5 जनवरी 2024 को दी गई थी। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि उपखण्ड अधिकारी हनुमानगढ़, तहसीलदार राजस्व हनुमानगढ़, सहायक अभियनता सा.नि.वि. पीलीबंगा, और ज्यूनियर इंजीनियर/कार्य उत्तर पश्चिम रेलवे हनुमानगढ़-1 की संयुक्त रिपोर्ट के आधार पर यह स्थान आरयूबी निर्माण के लिए उपयुक्त माना गया है। ग्रामीणों ने कहा कि यह स्थान कई गांवों के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण आवागमन मार्ग है।

'भारतीय साक्ष्य अधिनियम के संशोधन' पर कार्यशाला

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्री गुरु नानक खालसा विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, श्रीगंगानगर में भारतीय साक्ष्य अधिनियम के संशोधन÷ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों के सभी प्रमुख विधि महाविद्यालयों के प्राचार्यो ने भाग लिया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. सीताराम, प्राचार्य, एनएम लॉ कॉलेज, हनुमानगढ़, ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम में किए गए विभिन्न संशोधनों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को इन संशोधनों के कानूनी और व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया और इसके उपयोग व प्रभाव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. शशिकला आचार्य ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को भारतीय साक्ष्य अधिनियम में संशोधनों की आवश्यकता और महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि ये संशोधन न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए किए गए हैं। इस कार्यशाला में कई विधि महाविद्यालयों के प्राचार्य, जैसे डॉ. रिशुदेव बंसल, डॉ. गुरप्रीत सिंह बराड़, डॉ. सुरेंद्र कुमार, श्री सचिन महेंद्र और डॉ. दिनेश महरिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने अपने विचार साझा करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया और इस विषय की गहन समझ को प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक और उपयोगी अनुभव बताया। इस आयोजन से विद्यार्थियों को न्यायिक प्रणाली और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के नवीनतम परिवर्तनों को समझने में सहायता मिली।

सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

जनमार्ग न्यूज

सादुलशहर। राजकीय महिला महाविद्यालय सादुलशहर की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई ने आज दिनांक 19.12.2024 को सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ डॉ0 मनिन्द्रजीत कौर द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया । एनएसएस प्रभारी कुलदीप सिंह ने सात दिवसीय शिविर की योजना की विस्तृत जानकारी दी द्य डॉ. मनिन्द्रजीत कौर ने स्वयंसेवी छात्राओं को सेवा तथा सामाजिक सरोकार से जुड़ी गतिविधियां करके अपने सामाजिक जीवन का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. राजपाल यादव ने राष्ट्रीय सेवा योजना से संबंधित है अपनी अनुभवों को साझा किया तथा स्वयं सेविकाओं को पूर्ण मनोयोग से सेवा कार्य करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. गरिमा ने आज के स्वच्छता संबंधी कार्य के लिए आसपास के क्षेत्र की साफ सफाई संबंधी तथा उसके सेवा फल संबंधी लाभ के बारे में बताया। तत्पष्चात स्वंयसेविकाओ ने श्रमदान किया।

सीवरेज का पानी खुले में बिखरने का मामला: नप ने किया निरीक्षण

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। नगर परिषद क्षेत्र में सीवरेज का पानी निर्धारित जगह से खुले में फैलने की समस्या को लेकर नगर परिषद प्रशासन सक्रिय हो गया है। मंगलवार को नगर परिषद के प्रशासक उम्मेदी लाल मीणा, आयुक्त सुरेंद्र यादव, अधिशासी अभियंता अजय कुमार, जेईएन वेद प्रकाश सहारण और जेईएन प्रेमदास नायक ने प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान प्रशासक उम्मेदी लाल मीणा ने बताया कि सर्दियों के कारण पानी का उपयोग कम हो गया है, जिसके चलते सीवरेज का पानी ओवरफ्लो होकर खुले में बिखरने लगा। उन्होंने कहा कि यह समस्या अस्थायी है और जल्द ही इसका स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशासक ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में पानी के बांधों को मजबूत कर दिया गया है ताकि पानी और अधिक न फैल सके।

6000 घन लीटर क्षमता की डिग्गी निर्माण कार्य जारी

निरीक्षण के दौरान प्रशासक मीणा ने सीवरेज के पानी को एकत्रित करने के लिए बन रही 6000 घन लीटर क्षमता की डिग्गी का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि डिग्गी का निर्माण कार्य तेज गति से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि यह डिग्गी सीवरेज के पानी को रोकने और एकत्रित करने में सहायक होगी। आयुक्त सुरेंद्र यादव ने जानकारी दी कि डिग्गी का निर्माण कार्य आगामी तीन दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद सीवरेज के पानी के ओवरफ्लो की समस्या पर नियंत्रण पाया जा सकेगा।

ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण मार्च 2024 तक होगा पूरा

आयुक्त सुरेंद्र यादव ने यह भी बताया कि नगर परिषद द्वारा सीवरेज पानी के निस्तारण के लिए एक ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। इस प्लांट का कार्य मार्च 2024 तक पूरा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि ट्रीटमेंट प्लांट के शुरू होने के बाद सीवरेज के पानी का उचित निस्तारण किया जाएगा, जिससे भविष्य में इस प्रकार की समस्याएं उत्पन्न नहीं होंगी। आयुक्त ने कहा कि ट्रीटमेंट प्लांट के तैयार होने तक नगर परिषद अस्थायी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जब तक ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक सीवरेज पानी के निस्तारण के लिए वैकल्पिक व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखा जाए।

स्थानीय निवासियों की समस्या का समाधान प्राथमिकता

निरीक्षण के दौरान नगर परिषद अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। प्रशासक उम्मेदी लाल मीणा ने निवासियों को आश्वस्त किया कि नगर परिषद उनकी समस्याओं को गंभीरता से ले रही है और जल्द ही समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीवरेज का पानी खुले में बहने से होने वाली दुर्गंध और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

सीवरेज प्रबंधन पर प्रशासन का ध्यान

नगर परिषद अधिकारियों ने बताया कि सीवरेज प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम किया जा रहा है। डिग्गी निर्माण और ट्रीटमेंट प्लांट की योजना इसके तहत ही है। इसके साथ ही सीवरेज लाइन की नियमित सफाई और मरम्मत कार्यों पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

सर्दियों में बढ़ी ओवरफ्लो की समस्या

प्रशासक उम्मेदी लाल मीणा ने कहा कि सर्दियों के मौसम में पानी का उपयोग कम हो जाता है, जिससे सीवरेज में पानी का स्तर बढ़ जाता है और ओवरफ्लो की समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने इस समस्या को गंभीरता से लिया है और इसे रोकने के लिए त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं।

जनता से सहयोग की अपील

निरीक्षण के अंत में नगर परिषद अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सीवरेज प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। अधिकारियों ने निवासियों से अपील की कि वे सीवरेज लाइनों में कचरा न डालें और नगर परिषद द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

धौलीपाल में सड़क हादसों को रोकने के लिए स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। गांव धौलीपाल के समाजसेवी अधिवक्ता गुलाब सिंह बराड़ ने जन सुनवाई सभागार में जिला कलक्टर को ज्ञापन देकर गुहार लगाई है कि गांव में गुजरने वाली स्टेट हाईवे 7 ए पर सड़क हादसों को रोकने के लिए स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं और क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत की जाए। गुलाब सिंह ने जिला कलक्टर को बताया कि धौलीपाल एक घनी आबादी वाला बड़ा गांव है, और इस गांव से गुजरने वाली स्टेट हाईवे 7 ए एक व्यस्तम मार्ग है। इस मार्ग पर तेज गति से वाहन चलते हैं, जिससे कई बार सड़क हादसे हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि गत सप्ताह दो नव युवक इस सड़क पर सड़क हादसे का शिकार होकर अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, कई छोटे बच्चे भी सड़क हादसों का शिकार हो चुके हैं और घायल हो चुके हैं। बराड़ ने बताया कि गांव के स्टोन नंबर 17 से 19 तक बनी आरसीसी सड़क कई स्थानों से क्षतिग्रस्त हो चुकी है और इसमें गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे और भी हादसों का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस सड़क पर तेज गति से वाहन आते हैं, जो दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बन रहे हैं। गुलाब सिंह ने कहा कि हादसों को रोकने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस सड़क पर दो-तीन स्पीड ब्रेकर बनाए जाने की अत्यंत आवश्यकता है, ताकि वाहन चालकों की गति को नियंत्रित कर धीमी की जा सके। इसके अलावा, सड़क की मरम्मत शीघ्र करवाई जावे।

क्रिसमस आते ही बच्चों को याद आते हैं अपने प्यारे सांता क्लॉज, जो उनकी विशेज पूरी करते हैं, उन्हें खुशी देते हैं। बालभूमि ने टीवी के कुछ चाइल्ड आर्टिस्ट्स से पूछा, अगर क्रिसमस पर रियल सांता क्लॉज उनके सामने आ जाएं तो वे उनसे क्या विशेज और गिफ्ट्स मांगेंगे? इन चाइल्ड आर्टिस्ट्स ने बड़े दिलचस्प जवाब दिए। बच्चों, जानें इन्होंने क्या जवाब दिए।

अगर सामने आ जाएं सांता क्लॉज मांगेंगे ये विशेज-गिफ्ट्स

मैं सांता से मांगूंगी सबकी खुशी
तेजस्विनी सिंह

एंड टीवी के शो 'भीमा' में लीड रोल निभा रही तेजस्विनी सिंह सांता क्लॉज से सिर्फ अपने लिए ही विशेज नहीं मांगेगी बल्कि औरों की खुशियों के लिए भी विशेज मांगेगी। तेजस्विनी कहती है, 'मैं सांता से विश मांगूंगी कि पूरी दुनिया में प्यार और शांति बनी रहे। कहीं कोई लड़े नहीं। हर जगह दोस्ती और खुशी बनी रहे। जहां तक सांता क्लॉज से गिफ्ट मांगने की बात है तो मैं उनसे एक बड़ा-सा टेडी बियर, ढेर सारी चॉकलेट्स और अपनी पसंदीदा किताबें मांगूंगी। अगर सांता मुझे एक ऐसी मैजिक पेंसिल दे दें, जिससे मैं जो भी ड्रॉ करूं, वो असलियत में बन जाए! वाह! सोचो जरा ऐसा हो जाए तो कितना मजा आएगा!' *

मांगूंगा मैजिक शो का टिकट : कविश खुंगर

शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में कान्हा का किरदार निभाने वाला कविश खुंगर क्रिसमस और सांता क्लॉज को लेकर काफी उत्साहित है। वह कहता है, 'क्रिसमस के दिन अगर सांता मेरे सामने आ जाएं, तो मैं उनसे गिफ्ट्स में अपनी फेवरेट चॉकलेट्स, आइसक्रीम और खिलौने मांगूंगा। मैं सांता से एक ऐसे मैजिक शो का टिकट भी मांगूंगा, जहां जादूगर अपनी छड़ी घुमाकर, हम जो चाहें वो हाजिर कर दे। इतना ही नहीं, इस बार क्रिसमस पर मैं अपने प्यारे सांता क्लॉज से अपने फेवरेट वीडियो गेम भी मांगूंगा। मैं अपनी मम्मी से कहकर सांता के लिए बहुत ही टेस्टी केक बनवाऊंगा। मैं अपने क्रिसमस ट्री के पास चॉकलेट्स, केक और आइसक्रीम भी रख दूंगा ताकि जब वो रात में मुझे गिफ्ट्स देने आएं तो मैं भी अपनी तरफ से एक खास ट्रीट देकर उन्हें क्रिसमस विश करूं।' *

मैं सांता से मांगूंगी जादुई ताकत : वृहि कोडवारा

सोनी सब के पॉपुलर शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में स्वरा पटेल की भूमिका निभाने वाली चाइल्ड आर्टिस्ट वृहि कोडवारा को इन दिनों दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। वृहि से जब पूछा गया कि क्रिसमस के दिन अगर सामने सांता क्लॉज आ जाएं, तो वह उनसे क्या-क्या विशेज मांगेगी तो उसने बताया, 'अगर क्रिसमस पर सांता क्लॉज मेरे पास आएं, तो मैं उनसे एक जादुई ताकत मांगूंगी, जिससे मैं पंछी की तरह उड़कर पूरी दुनिया को ऊपर से देख सकूं। मैं उनसे एक स्पेसशिप भी मांगूंगी, ताकि मैं ब्रह्मांड की सैर कर सकूं, तारों और ग्रहों को करीब से देख सकूं और नई-नई जगहों की खोज कर सकूं। मैं सिर्फ अपने लिए ही नहीं, बाकी बच्चों के लिए भी सांता क्लॉज से विशेज मांगूंगी ताकि सभी बच्चे अपने सपने पूरे कर सकें, खुश रहें।' *

कभी ना खत्म होने वाली कैंडी मांगूंगा : कविश चौहान

मन नियो के शो 'छठी मैया की बिटिया' में वैष्णवी के भाई शैशव का किरदार निभा रहे कविश चौहान, सांता क्लॉज से एक नहीं, कई गिफ्ट्स मांगेगा। क्या-क्या गिफ्ट्स मांगेगा, कविश बताता है, 'अगर सांता क्लॉज मेरे सामने आ जाएं तो मैं उनसे सबसे पहले एक रिमोट कंट्रोल गाड़ी मांगूंगा, वह मुझे बहुत पसंद है। फिर मैं उनसे कहूंगा कि मुझे ढेर सारी चॉकलेट और ऐसी कैंडी चाहिए, जो कभी खत्म ना हो। एक बड़ा सा खिलौने वाला रोबोट भी मांगूंगा, जो मेरा होमवर्क कर दे। साथ ही सांता क्लॉज से कहूंगा कि मेरे लिए एक जादुई किताब लाए, जिसे पढ़कर मैं अपनी सारी विशेज पूरी कर सकूं, अपने सभी दोस्तों को गिफ्ट दे सकूं।' *

मांगूंगी भलाई करने की ताकत
अस्मि देव

जी टीवी के शो 'जागृति - एक नई सुबह' में जागृति का रोल निभाने वाली चाइल्ड आर्टिस्ट अस्मि देव के सामने क्रिसमस पर सचमुच सांता क्लॉज आ जाएं तो वह यही विशेज मांगेगी कि दुनिया में किसी को कोई तकलीफ ना हो। उनकी सारी परेशानियां दूर हो जाएं। अस्मि देव कहती है, 'मैं सांता से यह विश मांगूंगी कि मुझे ऐसी ताकत दें कि परेशान-दुखी लोगों की जिंदगी आसान बना सकूं। जिस तरह मेरे शो 'जागृति-एक नई सुबह' में मेरा कैरेक्टर जागृति हमेशा दूसरों के हक के लिए लड़ती है, वैसे ही मैं भी हर बच्चे को उसकी शिक्षा का हक दिला सकूं। मैं जानती हूं कि शिक्षा कितनी जरूरी है, इसलिए मेरी सबसे पहली विश यही होगी कि दुनिया में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना हो। उसका भविष्य उज्ज्वल हो।' *

क्रिसमस और सांता क्लॉज से जुड़ी रोचक बातें

बच्चों, क्रिसमस हर साल 25 दिसंबर को मनाया जाता है। वैसे तो यह ईसाई धर्म का प्रमुख पर्व है, लेकिन आज इसे पूरी दुनिया में हर धर्म और समुदाय के लोग बड़े उत्साह-उमंग से मनाते हैं। इस दिन प्रभु यीशु का जन्म हुआ था, लोग उनके जन्मोत्सव को बहुत ही हर्षोल्लास से मनाते हैं। यीशु ने दुनिया को दया, करुणा और प्रेम का संदेश दिया।

क्रिसमस शब्द का अर्थ: इस पर्व का नाम 'क्रिसमस' दरअसल 'क्राइस्ट' और 'मास' शब्दों से मिलकर बना है। यहां 'क्राइस्ट' का अर्थ यीशु मसीह और 'मास' का अर्थ पूजा या प्रार्थना है।

कौन है सांता क्लॉज: क्रिसमस का जिक्र हो और लाल कपड़े पहने लंबी सफेद दाढ़ी वाले बच्चों के फेवरेट सांता क्लॉज की बात ना हो, यह कैसे हो सकता है! मान्यताओं के अनुसार, हम सभी जिसे सांता क्लॉज के रूप में जानते हैं, वो दरअसल तीसरी शताब्दी के आस-पास मायरा (वर्तमान तुर्की) में रहने वाले सेंट निकोलस थे। वे गरीबों और बच्चों को गुपचुप तरीके से उपहार देते थे। अपनी दयालुता और उदारता के कारण वह काफी प्रसिद्ध हो गए। सेंट निकोलस की यह छवि धीरे-धीरे सांता क्लॉज के रूप में बन गई।

क्रिसमस का संदेश

क्रिसमस का पर्व हमें प्यार, करुणा और दूसरों के साथ खुशी बांटने का संदेश देता है। सांता क्लॉज की कहानी हमें

यह सिखाती है कि दूसरों की मदद करना और खुशियां बांटना बहुत नेकी का काम है। चाहे बच्चा हो या बड़ा, यह त्योहार सबके जीवन में एक नई उमंग और सकारात्मकता लाता है।

कहां रहते हैं सांता क्लॉज: ऐसा माना जाता है कि सांता क्लॉज का घर उत्तरी ध्रुव (नॉर्थ पोल) में है। वहां वे आज भी अपनी टीम के साथ रहते हैं। उनकी टीम में उनकी प्यारी पत्नी और ढेर सारे एल्फ्स (बौने) शामिल हैं। ये एल्फ्स उनके सहायक हैं, जो बच्चों के लिए खिलौने और उपहार बनाते हैं।

सांता ऐसे देते हैं बच्चों को गिफ्ट्स: प्रचलित मान्यताओं के अनुसार सांता क्लॉज के पास एक जादुई रथ (स्लेज) है, जिसे उड़ने वाले रेनडियर (बारहसिंगा) खींचते हैं। यह रथ सांता को दुनिया भर के बच्चों तक पहुंचने में मदद करता है। कहा जाता है कि क्रिसमस की रात जब बच्चे सो रहे होते हैं, सांता उनके घर की खिड़की या चिमनी से आकर उपहार दे जाते हैं।

सांता को क्या पसंद है: माना जाता है कि सांता क्लॉज को दूध, मिठाइयां और कुकीज बेहद पसंद हैं। बच्चे क्रिसमस की रात क्रिसमस ट्री के नीचे उनके लिए कुकीज और दूध रखते हैं। सांता जब देर रात बच्चों को गिफ्ट्स देने आते हैं, तो बच्चों द्वारा रखी गई चीजें खाते-पीते हैं और खुशी-खुशी वापस अपनी दुनिया में चले जाते हैं। *

क्रिसमस का उपहार

माइकल ने पापा से क्रिसमस गिफ्ट के रूप में स्पोर्ट्स शूज की डिमांड की, पापा इसके लिए तैयार भी हो गए। लेकिन तभी माइकल की नजर एक लड़के पर पड़ी, इसे देखकर और इसके बारे में जानकर माइकल का मन बदल गया। उसने पापा से अपनी डिमांड बदलने की रिक्वेस्ट की। माइकल ने पापा के सामने नई डिमांड क्या रखी, क्या उसकी यह डिमांड पूरी हुई?

क्रिसमस का त्योहार आने वाला था। माइकल के स्कूल में इन दिनों विंटर वेकेशन चल रही थीं। एक दिन सुबह के समय पापा के साथ पार्क में सैर करके वह घर लौट रहा था। चलते-चलते वह पापा से क्रिसमस मनाने की तैयारियों के बारे में बातें करने लगा। क्रिसमस के मौके पर माइकल के पापा हर साल सांता क्लॉज बनकर बच्चों को उपहार बांटते हैं। बातचीत के दौरान माइकल ने पापा से कहा, 'पापा, इस क्रिसमस पर आप सांता क्लॉज बनकर मुझे उपहार में नए स्पोर्ट्स शूज दीजिएगा।'

'पर तुम्हारे जो स्पोर्ट्स शूज हैं, वह ठीक तो हैं। अभी पिछले साल ही तो लिए थे।' माइकल के पहने हुए शूज की ओर देखते हुए पापा बोले।

'नहीं पापा! मैं बोर हो गया हूं इन स्पोर्ट्स शूज को पहन-पहन कर। मुझे तो बढ़िया वाले शूज चाहिए, जो उस दिन मॉल में देखे थे!' माइकल ने मचलते हुए कहा।

'ठीक है बेटा, मिल जाएंगे तुम्हें वही वाले स्पोर्ट्स शूज, क्रिसमस के दिन।' पापा ने हामी भर दी। यह सुनकर माइकल खुशी से उछल पड़ा, लेकिन तभी माइकल की नजर सामने से आ रहे एक लड़के पर पड़ी, जो उम्र में उससे दो-तीन साल बड़ा था। उस लड़के ने एक हाथ में अखबारों का ढेर उठाया हुआ था। वह लोगों के घरों में अखबार बांटते हुए आ रहा था। उस लड़के को देखकर माइकल ने पापा से कहा, 'पापा, यह तो वही लड़का है, जिसे मैं स्कूल बस की खिड़की से देखता हूं। अपना बस्ता उठाकर भागते हुए यह स्कूल जा रहा होता है, जैसे लेट हो गया हो।'

'यही लड़का तो हमारे घर में भी अखबार देता है। बड़े गरीब घर का है। इसके पापा भी बहुत बीमार रहते हैं। सुबह अखबार बांटने का काम करने के कारण यह लड़का स्कूल के लिए लेट हो जाता होगा।' पापा ने बताया।

तब तक वह लड़का उन दोनों के पास आ पहुंचा था। उसने माइकल के पापा को नमस्ते किया। माइकल उस लड़के से बोला, 'भैया, अगर तुम साइकिल से ये अखबार बांटो तो तुम्हारा काम जल्दी खत्म हो जाएगा। फिर तुम स्कूल के लिए भी लेट नहीं हुआ करोगे।'

माइकल की बात सुनकर वह लड़का बोला, 'साइकिल तो चलानी आती है मुझे, पर मेरे पास साइकिल है ही नहीं। साइकिल खरीदने में तो बहुत पैसे लगते हैं ना।' यह कहते हुए वह लड़का आगे बढ़ गया।

तभी माइकल के दिमाग में एक बात आई, वह पापा से बोला, 'पापा, क्रिसमस पर मुझे स्पोर्ट्स शूज देने की बजाय क्यों ना आप इस लड़के को साइकिल उपहार में दे दें?'

माइकल का सुझाव सुनकर पापा खुश हुए, बोले, 'हां, ठीक है। तुम्हारे शूज तो सही हैं। इन्हें तो अगले कई महीनों तक चला सकते हो तुम। इस लड़के को साइकिल उपहार में दे देंगे।'

क्रिसमस वाले दिन सुबह के समय माइकल अपने घर की छत पर खड़ा होकर उस लड़के के आने की राह देख रहा था। जैसे ही अखबार उठाए हुए वह लड़का उसे दूर से आता दिखाई दिया, उसने नीचे आंगन में सांता क्लॉज बनकर खड़े पापा को बता दिया। पापा उपहार वाली साइकिल लेकर तुरंत घर से बाहर निकल आए और उस दिशा में बढ़ गए, जिधर से वह लड़का आ रहा था। जैसे ही पापा उस लड़के के पास पहुंचे, उन्होंने उसे 'मैरी क्रिसमस' कहकर शुभकामनाएं दीं और साइकिल का उपहार थमाते हुए उससे बोले, 'इस साइकिल की मदद से तुम अखबार बांट लिया करो।'

उपहार में साइकिल पाकर उस लड़के की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने सांता क्लॉज बने माइकल के पापा को 'थैंक यू वैरी मच, सांता!' कहा। फिर उसने हाथ में उठाए अखबारों को साइकिल पर रखा और अखबार बांटने के लिए आगे बढ़ गया।

घर की छत से यह सब देखते हुए माइकल बहुत खुश हो रहा था। कुछ देर बाद माइकल अपने कमरे में आया तो उसके बिस्तर के सिरहाने के नीचे से झांकता हुआ एक पैकेट दिखाई दिया। उसने वह पैकेट खोला।

उसमें माइकल की मनपसंद चॉकलेट का बड़ा डिब्बा था। साथ में एक छोटा-सा पत्र भी था, जिसमें लिखा था कि सांता क्लॉज की तरफ से यह विशेष उपहार माइकल को इसलिए दिया जा रहा है, क्योंकि उसने अपने शूज लेने के बजाय एक गरीब लड़के को साइकिल देने के लिए कहा।

माइकल यह विशेष उपहार पाकर खुशी से फूला नहीं समा रहा था। वह दौड़कर सांता क्लॉज बने पापा के गले लग गया। *

धुंध-कोहरे में बढ़ते सड़क हादसे

बीते बुधवार को दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे-91 पर 10 से ज्यादा वाहन आपस में टकरा गए। इस हादसे में करीब 30 लोग घायल हो गए। ये हादसा घने कोहरे और धुंध के कारण हुआ। ठंड के दिनों में आए दिन इस तरह के हादसे देखे जाते हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की 'रोड एक्सीडेंट इन इंडिया-2022' रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2022 में धुंध और कोहरे के कारण 34,262 सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं। इनमें 14,583 लोगों की मौत हुई, जबकि 30,796 लोग घायल हुए थे। वहीं वर्ष 2021 में कोहरे और धुंध से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 28,934 थी। इनमें 13,372 लोगों की मौत हुई, जबकि 25,360 लोग घायल हुए थे। हर साल सर्दियों में धुंध और कोहरे के कारण सड़क हादसों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में वाहन चलाते समय बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। सर्दियों में सड़क हादसे बढ़ने की एक बड़ी वजह धुंध और कोहरा है, जिसमें विजिबिलिटी बेहद कम होती है। इसके कारण ड्राइवर को आगे चल रहे वाहन कुछ मीटर के बाद नजर नहीं आते हैं, जो एक्सीडेंट की वजह बनते हैं। खासकर उत्तर भारत के कुछ राज्यों में दिसंबर और जनवरी के महीने में घना कोहरा पड़ता है, जिसमें विजिबिलिटी जीरो तक पहुंच जाती है। ऐसे में आए दिन सड़क हादसों की खबरें सामने आती हैं। इसके अलावा कई अन्य कारण भी हैं। कड़कड़ाती ठंड में कोई भी घर से बाहर नहीं निकलना चाहता है। हालांकि, कुछ लोगों को ऑफिस जाने या अपने जरूरी कामों की वजह से हर रोज कई किलोमीटर ड्राइविंग करनी पड़ती है। ऐसे में घने कोहरे और फिसलन भरी सड़कों पर वाहन चलाना किसी चुनौती से कम नहीं है। ठंड में हाथ-पैर सुन्न होने लगते हैं। साथ ही ठंडा मौसम आपकी कार को भी प्रभावित करता है। इसलिए अपनी गाड़ी को घर से बाहर निकालने से पहले कुछ चीजें चेक करना जरूरी है। इससे सड़क हादसों से काफी हद तक बचा जा सकता है। ड्राइविंग के लिए कोहरा सबसे चुनौतीपूर्ण मौसम होता है। इस मौसम में सड़क पर कुछ भी साफ दिखाई नहीं देता है। कई बार 1-2 मीटर के बाद सड़क पर कुछ भी दिखाई नहीं देता है। सड़क पर धुंध ही धुंध नजर आती है इसलिए इस मौसम में ड्राइविंग करते वक्त अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। खासकर जब आप किसी हाइवे, एक्सप्रेसवे या सिग्नल फ्री रोड से गुजर रहे हैं। इसके लिए रोड सेफ्टी से जुड़े कुछ जरूरी टिप्स अपनाने चाहिए, जिससे सुरक्षित ड्राइव कर सकें और सड़क हादसों से बच सकें। अपनी लेन में ही गाड़ी चलाएं नेशनल हाईवे पर दो-पहिया, चार पहिया या बड़े वाहनों के अनुसार ड्राइविंग लेन निर्धारित होती हैं। कोहरे के समय विजिबिलिटी कम होने पर इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। वाहनों के निर्धारित लेन में चलने से दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसलिए हमेशा अपनी ही लेन में गाड़ी चलाएं।

अंतर बताओ

बच्चो, यहां सांता क्लॉज के एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। वैसे तो ये दोनों चित्र दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन इनमें 8 अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर खोजो।

सही रास्ता खोजो

बच्चो, यहां दिए गए चित्र में स्टार्ट पॉइंट से लेकर फिनिश पॉइंट यानी सांता क्लॉज तक पहुंचने के टेढ़े-मेढ़े कई रास्ते हैं। रास्ते में क्रिसमस से जुड़े कई सारे गिफ्ट आइटम्स रखे हुए हैं। तुम्हें उस रास्ते पर चलना है, जिससे इन सभी गिफ्ट्स को कलेक्ट करते हुए सांता तक पहुंच सको।

एक अलग चित्र को ढूंढो

बच्चो, यहां क्रिसमस सेलिब्रेशन से जुड़े दिए गए चित्रों में एक को छोड़कर बाकी सभी चित्र पेयर यानी जोड़े में हैं। एक मात्र चित्र ऐसा है, जिसका सेम पेयर नहीं है। तुम्हें उस अकेले चित्र को खोजना है।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने पर उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन

गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अपमान में माफी मांगने,पद से इस्तीफा देने की मांग

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने पर गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ डॉ. अंबेडकर नवयुग संघ ने उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करके राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। डॉ आंबेडकर नवयुग संघ के पूर्व अध्यक्ष राकेश राठी, डॉ सुरेश परिहार, रामचंद्र मेहरड़ा, मदन सोलेरा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ नारे लगाते हुए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अपमान में माफी मांगने,पद से इस्तीफा देने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन उपखंड अधिकारी को देखकर अवगत करवाया की गृहमंत्री अमित शाह ने देश के संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का संसद में अपमान किया। डॉ भीमराव अंबेडकर ने वर्षों से संघर्ष करके दलित, पिछड़ा ,अति पिछड़ा महिला वर्ग को जिंदा रहने का अधिकार दिया। जाति भेद मिटकर, सभी धर्म और सभी वर्गों को देश में सम्मान दिलाने का काम किया। महा मानव संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर का अपमान सहन नहीं किया जाएगा। करोडो भारतीय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली घटना की पूरे देश में निंदा हो रही है। गृहमंत्री अमित शाह अपने पद से इस्तीफा देकर देश से माफी नहीं मांगेंगे तो पूरे देश व प्रदेश में जन आंदोलन किया जाएगा। पूर्व अध्यक्ष राकेश राठी ने कहा भारतीय

संविधान से संसद में पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह बाबा साहब का अपमान करते हैं, भारतीय जनता पार्टी संविधान की धज्जियां उड़ाकर दलितों का अपमान करने का काम कर रही है। बाबा साहब ने जातिवाद के खिलाफ लड़ाई लड़कर समानता का अधिकार दिया । भारतीय जनता पार्टी संविधान को कमजोर करके देश में भय और अराजकता का माहौल बनाकर सांप्रदायिकता का जहर घोलने का काम कर रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने पद से इस्तीफा देकर माफी नहीं मांगी तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान निजाम खान, एडवोकेट राकेश नायक, रवि सोलड़ा, भागीरथ, दुलीचंद, ओम प्रकाश जैपाल, संतोष हिम्मतानिया, देवीलाल नायक, खूबचंद नायक, बलवंत गोपाल, शिवलाल, बनवारी लाल, हेमराज पून्दड़ सहित काफी संख्या में कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

ओम शांती चौक का हुआ उद्घाटन, शांति का प्रतीक बनेगा चौक

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। शहर के ओम शांती चौक का विधिवत उद्घाटन गुरूवार को किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक गणेशराज बंसल, पूर्व सभापति संतोष बंसल, पूर्व सभापति सुमित रणवां, अर्न्तराष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष तरूण विजय, अग्रवाल महिला समिति अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल और ब्रह्मकुमारी बहन कैलाश देवी बठिंडा ने शिरकत की। चौक के उद्घाटन के बाद सभी ने इसकी सराहना करते हुए इसे शहरवासियों के लिए एक शांति का प्रतीक बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गणेशराज बंसल ने कहा कि ओम शांती चौक का निर्माण शहर के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ यहां आने वाले लोगों के लिए मानसिक शांति का कारण बनेगा। उन्होंने कहा, यह चौक हमारे समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देगा। शहर में इस तरह के स्थानों का निर्माण लोगों को मानसिक शांति और एकता का अहसास कराता है। पूर्व सभापति संतोष बंसल और सुमित रणवां ने भी इस चौक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह चौक न केवल शहर की सुंदरता में वृद्धि करेगा, बल्कि लोगों को शांति और आत्मा की शांति का अनुभव भी कराएगा। अर्न्तराष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष तरूण विजय ने भी अपने सम्बोधन में इस पहल की सराहना की और कहा कि यह चौक न केवल एक भव्यता का प्रतीक बनेगा, बल्कि समाज में शांति और सकारात्मकता का भी प्रसार करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस चौक का नाम 'ओम शांती चौक' रखना इस स्थान को और भी महत्वपूर्ण बनाता है, क्योंकि यह 'शांति' का संदेश देता है, जो आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बेहद जरूरी है।

महिला कैदियों को स्वेटर व जुराबें वितरित की

मारवाड़ी युवा मंच नारी चेतना बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए स्टेशनरी भी भेंट की गई

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मारवाड़ी युवा मंच नारी चेतना शाखा श्रीगंगानगर द्वारा सर्दी के मौसम को देखते हुए बृहस्पतिवार को केन्द्रीय कारागार में विचाराधीन महिला कैदियों को स्वेटर व जुराबें वितरित की गई। अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल एडवोकेट ने बताया कि इसके साथ-साथ महिलाओं के बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत करवाकर स्टेशनरी भी भेंट की गई तथा महिलाओं को भविष्य में भी यथासम्भव सहयोग का विश्वास दिलाते हुए जेल से बाहर आने पर समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। केन्द्रीय कारागार अधीक्षक डॉ. अभिषेक शर्मा ने कहा कि विचाराधीन महिला कैदियों को सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से ही आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा रही है। केन्द्रीय कारागार अधीक्षक डॉ. अभिषेक शर्मा तथा जेलर महेश शर्मा ने मारवाड़ी युवा मंच नारी चेतना शाखा द्वारा किए जा रहे कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए साधुवाद दिया। महिलाओं ने स्वेटर एवं जुराबे तथा बच्चों ने स्टेशनरी पाकर खुशी का इजहार किया। इस सेवा कार्य में मंच सदस्य एकता मालपानी की प्रेरण से उनकी माताजी भावना मुंदड़ा तथा मौसी सरोज थिरानी का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल एडवोकेट, सचिव पलक बंसल, कोषाध्यक्ष शर्मिला माहेश्वरी, एकता मालपानी, कृष्णा, संजू सहित मारवाड़ी युवा मंच नारी चेतना शाखा पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

खालसा कॉलेज में वाणिज्य विभाग में कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्री गुरु नानक खालसा पी.जी. कॉलेज, श्रीगंगानगर में वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा एक दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला 'पीपीटी (प्रेजेंटेशन) कैसे बनाएं, प्रस्तुत करें और प्रभावी रूप से संवाद करें' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री राय साहब ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यशाला के दौरान श्री राय साहब ने विद्यार्थियों को प्रभावशाली प्रेजेंटेशन तैयार करने, उसे प्रस्तुत करने और प्रभावी संप्रेषण के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों ने इस सत्र को बेहद उपयोगी और प्रेरणादायक पाया। इस अवसर पर विभाग के व्याख्याता नैना डोडा, जसप्रीत कौर, और सिमरन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाई। कॉलेज के प्राचार्य डा सुखविंदर सिंह ने इस कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा, ÷कौशल विकास आज के समय की आवश्यकता है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल पेशेवर जीवन के लिए तैयार करते हैं, बल्कि उनकी आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। यह कार्यक्रम वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों के लिए एक उल्लेखनीय अनुभव साबित हुआ।

मैरिज पैलेस एसोसिएशन की बैठक आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मैरिज पैलेस एसोसिएशन की एक मीटिंग वीरवार को रत्न रिसोर्ट में हुई। इस मीटिंग में शहर के लगभग सभी पैलेस मालिक एवं उनके प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। मीटिंग की अध्यक्षता सुरेन्द्र कुक्कड़ ने की। मीटिंग में सर्वसम्मति से नरेन्द्र बढ़वाल को एसोसिएशन का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। सभी सदस्यों ने श्री बढ़वाल को अपनी कार्यकारिणी बनाकर संस्था को रजिस्टर्ड करवानं एवं संस्था के हितों के लिए नियम बनाने के लिए अधिकृत किया। मीटिंग में श्रीभगवान साहु, सम्पत्त मील, आकाश खोथ और संजय कासनियां द्वारा इस संस्था को

बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। सफल मंच संचालन अमित आजाद ने किया। इस मीटिंग में सोलीटेअर ग्रांड, एआरजी रिसोर्ट, गंगा पैलेस,आजाद गार्डन, ग्रांड पैगोड़ा, क्रिस्टल पाम, संगम पैलेस, ग्रांड मैपल, रॉयल गार्डन, रत्न रिसोर्ट, केआर रिसोर्ट, विंडसर पाम, सिटी गार्डन, आकाशदीप लॉन, सुंदर गार्डन, गोविन्द गेस्ट हाउस, दुर्गेश पैलेस, रंगोली गार्डन, नेबुला रिसोर्ट, आनन्दम रिसोर्ट, अमर पैलेस, यूडी ग्रांड, ब्ल्यू स्पेयर, पैगोड़ा रिसोर्ट, राधे-राधे गेस्ट हाउस आदि पैलेस के मालिक व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कानूनी जागरूकता के लिए विधिक शिविर आयोजित

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। राजस्थान विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीगंगानगर के तत्वावधान में तालुका विधिक सेवा समिति सूरतगढ़ अध्यक्ष अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहम्मद आसिफ अंसारी के निर्देशानुसार जय बालाजी लाइब्रेरी सूरतगढ़ में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर आयोजित करने का मुख्य विषय दहेज की रोकथाम, जाति भेदभाव व कन्या भ्रूण हत्या के प्रति जागरूकता लाना रखा गया। शिविर के मुख्य अतिथि तालुका पीएलवी राजेश कुमार पारीक ने

बच्चों को बताया कि दहेज प्रथा को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार द्वारा एक कानून बनाया गया है जिसका नाम दहेज निषेध अधिनियम, 1961 है। दहेज की प्रथा को रोकने और खत्म करने के मकसद से ही इस अधिनियम को लाया गया था। इस अधिनियम के तहत 2 सेक्शन हैं। सेक्शन 3 और 4। सेक्शन 3 के तहत दहेज लेना और देना दोनों अपराध है और 15 हजार तक के जुर्माने और 5 साल की सजा सुनाई जा सकती है और साथ ही जाति भेदभाव के बारे मे बताते हुए कहा कि नस्लवाद एक ऐसा समाज बनाता है जहाँ लोग एक दूसरे पर भरोसा नहीं करते और एक दूसरे का सम्मान नहीं करते। जब इसे पनपने दिया जाता है, तो यह एक व्यक्ति के तौर पर हमें कमज़ोर कर देता है । इस दौरान पीएलवी राजेश कुमार पारीक ने बताया कुछ सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक नीतियों के कारण पुराने समय से किया जा रहा कन्या भ्रूण हत्या एक अनैतिक कार्य है। लोगों का मानना है कि लड़के परिवार के वंश को जारी रखते हैं जबकि वो ये बेहद आसान सी बात नहीं समझते कि दुनिया में लड़कियाँ ही शिशु को जन्म दे सकती हैं, लड़के नहीं।

सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। डॉ बीआर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री मदन अरोड़ा;जिला महामंत्रीए हिमालय परिवार संरक्षकए अखिल भारतीय साहित्य परिषद् जिला गंगानगर, वरिष्ठ साहित्यकारए समाजसेवी, विचारक व प्रोफेसर डॉ. गोपीराम शर्मा, महाविद्यालय कार्यवाहक प्राचार्य डॉ इकबाल सिंह जी द्वारा मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्ज्वलित किया गया व स्वयं सेविकाओं द्वारा लक्ष्य गीत गाकर दिन की शुरुआत की गई। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री मदन अरोड़ा जी ने स्वयं सेविको को समाज की सेवा के लिए प्रेरित किया । प्रोफेसर डॉण् गोपी राम शर्मा ने स्वयंसेवकों को कार्य स्थल पर देश के और मानसिक स्तर पर राष्ट्र के लिए कार्य करने को प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी सरदार जगदीप सिंघ तुली ने सात दिवसीय विशेष शिविर में होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी । कार्यक्रम अधिकारी डॉण्राहुलए डॉण् सुशीला यादवए डॉण् भावना ग्रोवरए के निर्देशन में स्वयं सेविको से साफ सफाई का कार्य संपन्न करवाया गया।

भारत विकास परिषद भारत माता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में अग्रणी : बाबूलाल जुनेजा

भारत विकास परिषद ने बाबूलाल जुनेजा और अश्वनी नारंग का किया अभिनंदन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। भारत विकास परिषद नगर इकाई हनुमानगढ़ की ओर से आयोजित एक विशेष समारोह में राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष बाबूलाल जुनेजा और समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य कर रहे नीलकंठ महादेव सेवा समिति के अध्यक्ष अश्वनी नारंग का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में परिषद के सदस्यों ने दोनों हस्तियों के योगदान को सराहते हुए उन्हें सम्मानित किया। जोडियक डायग्नोस्टिक सेंटर के प्रांगण में आयोजित इस अवसर पर बाबूलाल जुनेजा ने कहा कि भारत विकास परिषद भारत माता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा के साथ निभा रहा है। उन्होंने कहा कि हिन्दू और सनातन संस्कृति कभी कमजोर नहीं हो सकती। भारत विकास परिषद युवाओं को सद्मार्ग पर ले जाने और देश को मजबूत बनाने के लिए कार्यरत है। जुनेजा ने विशेष रूप से योग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि योग न केवल शरीर को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग भी प्रशस्त करता है। समारोह में अश्वनी नारंग ने कहा कि भारत विकास परिषद न केवल बच्चों के भीतर भारतीय संस्कृति और संस्कारों को जागृत कर रही है, बल्कि समाज में सेवा, शिक्षा और संस्कृति के प्रचार-प्रसार में भी महत्वपूर्ण

भूमिका निभा रही है। उन्होंने परिषद की गतिविधियों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजेंद्र स्वामी ने कहा कि बाबूलाल जुनेजा के नेतृत्व में एसकेडी संस्था ने योग के क्षेत्र में वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज कर हनुमानगढ़ को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि बाबूलाल जुनेजा के प्रयासों की बदौलत एसकेडी संस्था ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ख्याति अर्जित की है। कार्यक्रम के दौरान कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और परिषद के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने दोनों हस्तियों के समाज और देश के प्रति उनके योगदान की सराहना की। भारत विकास परिषद के संरक्षक छत्रसाल राघव ने इस अवसर पर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और भारतीय संस्कृति को संरक्षित रखने के परिषद के संकल्प को दोहराया। समारोह के अंत में परिषद सचिव रामनिवास माण्डन ने आये हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर संरक्षक छत्रसाल राघव ,प्रांतीय प्रभारी कपिल कालड़ा, ओम सिंह बिजारणियां, अनिल कौशिक, भारतेंदु सैनी, राम निवास मांडन, राधेश्याम नागपाल, सुधीर धुरिया, पवन सरावगी, प्रदीप गोयल, डॉ अंकुर धुरिया, कृष्ण जांगिड़, यशपाल लाकड़ी, भारतेंदु सैनी, प्रदीप गोयल, रमेश छाबड़ा, राम लुभाया तिन्नआ, विकास कालड़ा, अरविंद छाबड़ा, चानन राम, पुष्पेंद्र सिंह, ओम जी, सुशील जैन, अखिल राज, चंद्रप्रकाश, कमल शर्मा, रामकुमार, गौरव शर्मा, साहब सिंह आदि मौजूद थे।

गोवर्धन सुखरिया व लोकेश सोनवाल को आईपीएस एसपी बनने स्वागत किया

रावतसर। रावतसर धानमंडी और पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय कार्यलय में रावतसर के युवा नेता शिव भगवान रैगर के नेतृत्व मे गोवर्धन सुखरिया व लोकेश सोनवाल को आईपीएस एसपी बनने पर समर्थकों के साथ सेलिब्रेट किया गया। इस मौके रावतसर पुलिस उप अधीक्षक हंसराज बैरवा, जिला मजिस्ट्रेट बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जितेंद्र गोयल जेपी गोदारा जीवनगगर अमरचंद कसवां धन्नासर ख्यालीराम कासनियां चाईया कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देवीलाल मटोरिया ललित सुथार युथ कांग्रेस जिला सचिव किरसन जी खन्ना आजम खान पार्षद ओम प्रकाश धानक जयसिंह गोदारा भाई गोविंद सांगवाल राकेश सिंगाड़िया विजय हरलिया फारूक खान सुभाष गोदारा आदि सैकड़ों दोस्त मौजूद रहे।

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में उमड़े श्रद्धालु

मनुष्य को गुरु की शरणागत होकर अपने कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए: कथा व्यास आचार्य

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जी ब्लॉक स्थित शिव मंदिर में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को कथा व्यास आचार्य भारत भूषण ने अपने प्रवचनों में कहा कि सत्संग के बिना जीव का कल्याण नहीं हो सकता है। उन्होंने राजा परीक्षित का राज्याभिषेक, पांडवों का स्वर्गारोहण, कलयुग के प्रभाव से बचने का वर्णन आदि प्रसंगों को विस्तारपूर्वक सुनाया। गुरु की महिमा बताते हुए कहा कि जब सम्पूर्ण संसार में कहीं भी ठोर ना मिले, उस समय मनुष्य को गुरु की शरणागत होकर अपने कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। भगवान के भजनों पर

श्रद्धालु भाव-विभोर होकर नाचने-झूमने लगे तथा सारा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम प्रभारी भागीरथ शास्त्री, श्रीमती अंजु अग्रवाल, श्रीमती निशा सोनी, पं. अभिषेक शर्मा सहित सेवादार सफल आयोजन के लिए व्यवस्थाओं में जुटे रहे। यजमान किशन खारीवाल सहित श्रद्धालुओं द्वारा आरती की गई तथा अग्र समिति परिवार के राकेश सिंगल व सुनीता सिंगल द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया। श्रद्धालु-भक्तों से 24 दिसम्बर, मंगलवार तक प्रतिदिन सायं 2 बजे से 5.15 बजे तक जी ब्लॉक स्थित शिव मंदिर में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त करने का आह्वान किया गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे।

गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर दलित संगठनों और इंडिया गठबंधन का विरोध प्रदर्शन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान अनुसूचित जाति विभाग, इंडिया गठबंधन और अन्य बहुजन संगठनों ने शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह की कथित अमर्यादित टिप्पणी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्ट्रेट पर अमित शाह का पुतला जलाकर अपनी नाराज़गी व्यक्त की और महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गृह मंत्री अमित शाह से बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई कथित टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और गृह मंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग की गई। राजस्थान कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर चांवरिया और जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सुरेंदर दादरी ने कहा कि अमित शाह की संसद में की गई टिप्पणी ने देश के दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक और महिला वर्ग की भावनाओं को आहत किया है। उन्होंने कहा, देश की 90 प्रतिशत जनता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को अपना आराध्य, विचारक और सामाजिक परिवर्तन का अग्रदूत मानती है। गृह मंत्री की इस टिप्पणी से उनकी भावनाएं आहत हुई हैं और पूरे देश में आक्रोश की लहर है।÷ प्रदर्शन के दौरान बहुजन संगठनों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए गृह मंत्री की बर्खास्तगी की मांग की। रामेश्वर चांवरिया ने कहा कि अमित शाह जैसे जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा इस प्रकार की टिप्पणी करना न केवल दलित समाज बल्कि पूरे देश के लिए अपमानजनक है। ज्ञापन में राष्ट्रपति से आग्रह किया गया कि गृह मंत्री को उनके पद से तुरंत बर्खास्त किया जाए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि यदि इस पर कार्रवाई नहीं की गई, तो दलित और बहुजन समाज बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगा। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से हर वर्ग के लोगों को समान अधिकार दिए हैं। ऐसे में किसी भी नेता द्वारा उनके खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल असहनीय है। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में दलित और बहुजन समाज के लोग शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में अमित शाह से सार्वजनिक माफी और उनके इस्तीफे की मांग की। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र दादरी, पूर्व जिला प्रमुख राजेंद्र मक्कासर, गुरदीप चहल, रघुवीर वर्मा, जसविंदर धालीवाल, सतीश चिंटू, रोहित जावा, अश्विनी पारीक, मनोज सैनी, सुरेंद्र खटीक,, गोविंद रेगर, कारण विमल, विकास रेगर, सुखमंदर सिंह रंगरा, बहादुर सिंह चौहान, बीएस पेंटर,राजेश भारती अशोक बागड़ी मदन मेघवाल शेर सिंह शाक्य मोहन इंदलिया रणवीर नायक सहित सेकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

जेब गर्म करते पकड़ाया नगर निगम सीएमओ

बिल पास करने के नाम पर ठेकेदार से मांग रहा था 'हरी घास'

मैहर। लोकायुक्त की टीम का भ्रष्टाचार पर कार्रवाई का दौर जारी है। मैहर जिले में शुक्रवार को लोकायुक्त की टीम ने नगर पालिका सीएमओ लाल जी ताम्रकार को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथो ट्रैप किया है। जानकारी के अनुसार सीएमओ लाल जी ताम्रकार ने ठेकेदार से बिल पास कराने के बदले 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। सीएमओ लाल जी ताम्रकार के खिलाफ लोकायुक्त में ठेकेदार ने शिकायत की थी जिसके सत्यापन के बाद यह बड़ी कार्रवाई की गई है। रीवा लोकायुक्त की इस बड़ी कार्रवाई ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। लोकायुक्त की टीम को शिकायत मिली थी आरोपी द्वारा फरियादी शिवेंद्र सिंह से पूर्व में ही 10 हजार रुपये रिश्वत ले लिए गए थे। इससे परेशान होकर फरियादी ने लोकायुक्त पुलिस में शिकायत की थी। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने जाल बिछाया जिसमें मैहर नगर पालिका सीएमओ को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों धर दबोचा है। वहीं शिकायतकर्ता शिवेंद्र सिंह ने बताया कि सीएमओ लाल जी ताम्रकार द्वारा हर बिल में 10 परसेंट कमीशन मांगा जा रहा था। 10 हजार रुपए रिश्वत हमारे द्वारा दी जा चुकी थी। अब आरोपी 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते ट्रैप हुए हैं।

लोकायुक्त अधिकारी जियाउल हक ने बताया कि शिकायतकर्ता के लंबित बिलो के भुगतान के लिए सीएमओ द्वारा कमीशन 30 हजार रुपए रिश्वत की मांग की गई थी। इसकी शिकायत पीि?त ने लोकयुक्त में की थी। इस बाद कथन का सत्यापन लोकायुक्त विभाग द्वारा किया गया। सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि आरोपी ने शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये रिश्वत मांगे थे। इसपर लोकायुक्त टीम द्वारा आरोपी लाल जी ताम्रकार को शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया गया है। टीम द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गौरतलब है कि मैहर जिले में एक महीने में यह तीसरी ब?ी कार्रवाई है। विगत दिनों पहली कार्रवाई में आरआई को 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों ट्रैप किया गया था। वहीं दूसरी कार्रवाई में जेई को 30 हजार की रिश्वत लेते लोकायुक्त की टीम रंगे हाथो पकड़ा था। अब तीसरा मामला भी सामने आ गया है।

मूर्ति देवी मैमोरियल बीएड कॉलेज में जागरूकता सेमीनार आयोजित

जनमार्ग न्यूज

सादुलशहर। मूर्ति देवी मेमौरियल बीएड़ महाविद्यालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला पुलिस प्रशासन, बाल अधिकारिता विभाग श्रीगंगानगर और मूर्ति देवी मेमौरियल कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में समाज में बाल अपराधों की रोकथाम और विधिक सहायता बाबत् एक जागरूकता सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से श्रीगंगानगर न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव गजेंद्र सिंह तेनगुरिया, सादुलशहर मुख्य न्यायाधीश श्रीमती दीपा शर्मा, श्रीगंगानगर बाल कल्याण समिति चैयरमेन श्री जोगेन्द्र कौशिक, सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग श्रीगंगानगर राजीव जाखड़, डॉ. रामप्रकाश शर्मा, बेंच मजिस्ट्रेट बाल कल्याण (न्यायपीठ) समिति श्रीगंगानगर, त्रिलोक वर्मा, जिला समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) श्रीगंगानगर, हंसराज सब इंस्पेक्टर पुलिस थाना सादुलशहर,ईश्वर राय गर्ग संरक्षक,नोहित गर्ग अध्यक्ष स्व. मूर्ति देवी शिक्षा विकास समिति और प्राचार्य डॉ सूरजपाल मौजूद थे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम माँ सरस्वती की प्रतिमा के आगे द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। उसके पश्चात् शिक्षा विकास समिति की तरफ से ईश्वर राय गर्ग और प्राचार्य द्वारा आए हुए अतिथियो को गुलदस्ते भेंटकर स्वागत किया गया। उसके पश्चात मुख्य मेहमानों द्वारा विद्यार्थियों को विधिक सहायता के प्रावधान, बाल अधिकारों का संरक्षण, पुलिस के सकारात्मक सहयोग के साथ विभिन्न सामाजिक कुरीतियों बाल अपराध, बाल श्रम, बाल विवाह, नशा पलायन, साइबर क्राइम आदि की रोकथाम से संबंधित विद्यार्थियों को विस्तार से समझाया और इन बुराइयों के विरुद्ध जागरूकता का संदेश दिया7 कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार की तरफ से संरक्षक ईश्वर राय गर्ग, प्राचार्य डॉ सूरजपाल और देवकरन बिशनोई द्वारा सभी अतिथियों को महाविद्यालय में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया7 कार्यक्रम के आयोजन में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ तेजवीर सिंह बराड़, शरणजीत ग्रोवर, गोविंद सिंह, रामकुमार, सतपाल भाखर, रामनारायण,भोमिका सिडाना, सुप्रिती चावला, मधुलिका यादव, वरिंदर कौर, पूजा यादव, मुकेश कुमार इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा।

गंदा है पर धंधा है! पहले ट्रेन से भागी, फिर छत से कूदी... 4 करोड़ का लगाया चूना, लेडी क्रिमिनल सोनिया की कहानी

नई दिल्ली। कहते हैं अपराध के पैर नहीं होते, फिर भी वो भाग निकलता है... लेकिन कानून के हाथ भी लंबे होते हैं और आखिरकार वो पकड़ा ही जाता है। क्राइम की ये कहानी भी कुछ ऐसी ही है, जिसमें एक शातिर लेडी क्रिमिनल को पुलिस ने पकड़ा, तो वो भाग निकली। 9 महीने बाद पुलिस को उसका सुराग मिला और वो इस बार भी छत से कूदकर फरार होने की कोशिश में थी, लेकिन पुलिस की हथकड़ी उसके हाथों में आखिरकार पहुंच ही गई।

बिहार के सिवान जिले में एक छोटा सा गांव है नुरुहटा। इसी गांव में रहने वाली एक लड़की को बचपन से ही डांसिंग का शौक था। परिवार गरीब था, इसलिए उसकी पढ़ाई महज 10वीं क्लास तक ही हो पाई। कुछ वक्त बीता और उसकी जान-पहचान उन लोगों के साथ बढ़ने लगी, जो साइबर क्राइम की वारदातों को अंजाम देते थे। धीरे-धीरे उसके कदम साइबर क्राइम की राह पर बढ़े और एक दिन उसने महाराष्ट्र के पुणे में पूरे चार करोड़ रुपये का खेल कर दिया।

बिहार के सिवान जिले में एक छोटा सा गांव है नुरुहटा। इसी गांव में रहने वाली एक लड़की को बचपन से ही डांसिंग का शौक था। परिवार गरीब था, इसलिए उसकी पढ़ाई महज 10वीं क्लास तक ही हो पाई। कुछ वक्त बीता और उसकी जान-पहचान उन लोगों के साथ बढ़ने लगी, जो साइबर क्राइम की वारदातों को अंजाम देते थे। धीरे-धीरे उसके कदम साइबर क्राइम की राह पर बढ़े और एक दिन उसने महाराष्ट्र के पुणे में पूरे चार करोड़ रुपये का खेल कर दिया।

18 ट्रांजेक्शन और 4 करोड़ का खेल

उसका अड्डा हरियाणा और बिहार के बीच रहता था। कुछ वक्त बाद उसके जुर्म का दायरा बढ़ा और गैंग में उसे उन खातों के मैनेजमेंट का जिम्मा सौंप दिया गया, जिनमें ठगी गई रकम को ट्रांसफर कराया जाता था। बात इसी साल जनवरी के महीने की है। पुणे की एक बड़ी रियल एस्टेट कंपनी के सीनियर अकाउंट ऑफिसर के पास एक फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को कंपनी का चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर बताया और अकाउंट ऑफिसर से 4.6 करोड़ की रकम कुछ खातों में ट्रांसफर करने के लिए कहा। उस दिन कंपनी के अकाउंट से 18 बड़े ट्रांजेक्शन हुए और 4 करोड़ 6 लाख रुपये दूसरे खातों में भेज दिए गए। कुछ देर बाद सच्चाई खुली, तो पता चला कि ये एक साइबर फ्रॉड था, जिसकी मास्टरमाइंड वही बिहार के सिवान जिले की सानिया उर्फ गुड़िया निकली।

चकमा देकर रास्ते में ट्रेन से भागी

कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर सागर जयंतीलाल बोरा ने इस मामले में पुणे साइबर पुलिस स्टेशन में स्न्नढ्ढक्रदर्ज कराई। तफ्तीश हुई और फोन नंबर सहित बैंक खातों का टेक्निकल एनालिसिस कर पुलिस गुड़िया तक पहुंच गई। 21 फरवरी 2024 को गुड़िया को हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया। सबको लगा कि साइबर फ्रॉड की मास्टरमाइंड पकड़ी गई और अब पूरा मामला खुल जाएगा, लेकिन खेल अभी बाकी था। पुलिस जब उसे दुरंतो एक्सप्रेस से पुणे लेकर आ रही थी, तो रास्ते में एक स्टेशन पर गुड़िया चकमा देकर भाग निकली। पुलिस को उसके गायब होने का पता तब चला, जब ट्रेन अगले स्टेशन पर पहुंची और गुड़िया उन्हें कहीं नहीं दिखी।

भेष बदलकर खेतों में रही पुणे पुलिस

इस मामले ने हड़कंप मचा दिया और पुणे पुलिस विभाग ने नौकरी में लापरवाही बरतने पर एक सब-इंस्पेक्टर सहित छह पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर डाला। अब गुड़िया को पकड़ने के लिए एक दूसरी टीम बनाई गई। धीरे-धीरे 9 महीने का वक्त बीत गया। गुड़िया लगातार अपना मोबाइल नंबर और लोकेशन बदलती रहती, जिससे पुलिस के लिए उसे ट्रैक करना मुश्किल हो गया था। दिसंबर की शुरुआत में पुलिस को अपने खुफिया सूत्रों से पता चला कि गुड़िया बिहार के गोपालगंज जिले में थावे इलाके के लोहार पट्टी गांव में छिपी है। इसके बाद उसे पकड़ने के लिए सादे कपड़ो में पुलिस की एक टीम लोहार पट्टी गांव पहुंची। पुलिस टीम ने अपना भेष बदला और पास के एक खेत में ही किसान-मजदूर बनकर रुकी रही।

पुलिस ने छापा मारा, तो छत कूदकर भागी

पुलिस को इंतजार था सही मौके का और आखिरकार 15 दिसंबर की रात को उन्हें मौका मिल गया। पुलिस की टीम उस जगह पर पहुंची, जहां गुड़िया छिपी थी और छापा मार दिया। गुड़िया ने इस बार भी पुलिस को चकमा देने की कोशिश की और वो छत से कूदकर भाग निकली। हालांकि, पुलिस की टीम पहले से अलर्ट थी और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसे बिहार से पुणे लाने में इस बार खास एहतियात बरती और पहुंचने के बाद कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने फिलहाल गुड़िया को 23 दिसंबर तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वहीं, पुलिस अब उसके गैंग से जुड़े बाकी सदस्यों को तलाश रही है। पुलिस का मानना है कि उसके साथी बिहार के अलग-अलग इलाकों में छिपे हो सकते हैं।

पति-पत्नी ने एक-दूसरे को पेट्रोल डालकर जलाया

बलरामपुर में घरेलू विवाद में सड़क पर लड़ रहे थे, 80 प्रतिशत तक झुलसे; पति की हालत नाजुक

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में पति-पत्नी ने एक-दूसरे पर आग लगा दी। मदनपुर में घरेलू विवाद को लेकर दोनों सड़क पर झगड़ा कर रहे थे। इसी दौरान गुस्से में घर से पेट्रोल उठाकर लाए और फिर एक-दूसरे पर डाल दिया। आग लगने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गए हैं। दोनों को गंभीर हालत में ष्ट॥ष्ट वाड्रफनगर में भर्ती कराया गया है। पति-पत्नी दोनों को प्राथमिक इलाज के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, वाड्रफनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम मदनपुर निवासी मो. शमशाद (40) का पत्नी जुलेखा बेगम (36 से गुरुवार शाम विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों घर से बाहर निकलकर सड़क पर लड़ने लगे। इस दौरान पति शमशाद घर में पेट्रोल से भरा डिब्बा (जेरी कैन) लेकर बाहर निकला और पत्नी पर डालने लगा, इस दौरान पत्नी जुलेखा ने भी उसी डिब्बे से पति पर पेट्रोल छिड़क दिया। विवाद के बीच मो. शमशाद ने जैसे ही माचिस जलाई, दोनों आग की लपटों की चपेट में आ गए। दोनों को आग की लपटों में घिरा देख आसपास के लोगों और परिजनों ने किसी तरह आग बुझाई। हादसे में मो. शमशाद करीब 80 फीसदी से अधिक झुलस गया है। पत्नी जुलेखा बेगम भी 60 प्रतिशत से ज्यादा झुलस गई है।

सीएचसी वाड्रफनगर में दोनों का इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि मो. शमशाद के शरीर का अधिकांश हिस्सा झुलस गया है, जिसके चलते उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। वहीं जुलेखा बेगम भी काफी झुलस गई है। दोनों को अंबिकापुर उपचार के लिए रेफर किया जा रहा है। वाड्रफनगर चौकी प्रभारी डागेश्वर सिंह ने बताया कि फोन से घटना की सूचना मिली है। पुलिस टीम को सीएचसी वाड्रफनगर भेजा गया है। मो. शमशाद ड्राइवर का काम करता है। दोनों के बीच विवाद क्यों हुआ? इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। मामले में परिजनों से पूछताछ की जाएगी।

श्रीकरणपुर में नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान कार्यशालाएं आयोजित

- युवाओं में नई सोच और जागरूकता का संचार

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस श्रीगंगानगर के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्त गंगानगर अभियान के तहत शुक्रवार को श्रीकरणपुर में शैक्षणिक संस्थानों आईटीआई कॉलेज, ज्ञान ज्योति कॉलेज एवं राजकीय कॉलेज में विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यशालाओं में मुख्य वक्ता के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से विक्रम ज्याणी ने उपस्थित छात्रों, शिक्षकों एवं समाज के अन्य प्रबुद्ध वर्गों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर करता है बल्कि परिवार और समाज की बुनियाद को भी कमजोर करता है। युवाओं को अपनी ऊर्जा और क्षमता को सकारात्मक कार्यों में लगाकर एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। नशा छोड़ने का सबसे पहला कदम है, इसके दुष्प्रभावों को समझना और दृढ़ निश्चय करना। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे के खिलाफ समाज को जागरूक करना और युवाओं को इस बुराई से बचाना है। साथ ही उन्होंने विभिन्न उदाहरण देकर बताया कि किस प्रकार नशे से मुक्त होकर लोग अपने जीवन में बदलाव ला सकते हैं। युवाओं को प्रेरित करने के लिए मोटिवेशनल कहानियों के माध्यम से बताया कि नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित युवाओं से यह शपथ दिलवाई कि वे अपने जीवन में कभी नशे को स्थान नहीं देंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। नशे के खिलाफ 23 दिसंबर 2024 को प्रातः 8.30 बजे दौलतपुरा से धनुर तक साइकिल यात्रा आयोजित की जा रही है, आमजन ज्यादा से ज्यादा यात्रा में भाग ले। राजकीय महाविद्यालय श्रीकरणपुर के प्राचार्य डॉ. सुनीता सिंघल ने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए सही दिशा और सही सोच का होना अत्यंत आवश्यक है। नशा आपकी सोच और दिशा दोनों को प्रभावित करता है। ज्ञान ज्योति कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुसुहानी छाबड़ा एवं आईटीआई कॉलेज प्राचार्य विजेंद्र सिंह ने युवाओं को समझाया कि जीवन का असली सुख नशे में नहीं बल्कि खुद को पहचानने और अपनी क्षमताओं को निखारने में है। हर दिन एक नई शुरुआत है। नशा छोड़े और जीवन में आगे बढ़ें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी सहित स्टाफ मौजूद रहे तथा सभी ने नशा मुक्त गंगानगर अभियान में सहयोग का विश्वास दिलाया।

प्रियंका सहारण बनी राष्ट्रीय गोरक्षक सेना की हनुमानगढ़ जिला अध्यक्ष

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राष्ट्रीय गोरक्षक सेना की प्रदेश अध्यक्ष अनिता जांगिड़ ने प्रियंका सहारण, निवासी उज्जलवास, को हनुमानगढ़ जिला अध्यक्ष (महिला इकाई) के पद पर मनोनीत किया है। यह नियुक्ति सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुल्तान सिंह गुर्जर की अनुशंसा और सेना के मुख्य संरक्षक एवं प्रेरणा स्त्रोत योगी मार्गदर्शक कासनी गुरु शरणानन्द महाराज (रमणरेती वाले) की सहमति से की गई। प्रियंका सहारण को यह पद उनके देशप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और समाज सेवा में सक्रिय योगदान को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। इस अवसर पर अनिता जांगिड़ ने कहा कि प्रियंका ने हमेशा समाज में गोरक्षा और राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रियंका सहारण इस नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और लगन के साथ निभाएंगी। प्रियंका सहारण ने अपने मनोनयन पर सेना के सभी पदाधिकारियों और गुरु शरणानन्द महाराज का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी का विषय है। मैं गोरक्षा और समाज कल्याण के कार्यों को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय गोरक्षक सेना के अन्य पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने प्रियंका सहारण को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

14 वर्षीय वॉलीबॉल टीम ने पहली बार सिल्वर पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। 68वीं राष्ट्रीय विद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान की 14 वर्षीय छात्र वर्ग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता 10 से 15 दिसम्बर तक वाराणसी, उत्तर प्रदेश में आयोजित की गई थी, जहां राजस्थान ने लगातार 9 मैच जीतकर फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल मुकाबले में राजस्थान का सामना उत्तर प्रदेश (यूपी) टीम से हुआ, जिसमें यूपी ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि राजस्थान ने ऐतिहासिक रूप से सिल्वर पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि राजस्थान के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि राज्य की 14 वर्षीय वॉलीबॉल टीम ने पहली बार इस स्तर पर सिल्वर पदक जीता है। राजस्थान टीम ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल कौशल और टीम भावना का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण था, लेकिन राजस्थान टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, हालांकि यूपी टीम अंत तक विजेता बनी। इस प्रतियोगिता में हनुमानगढ़ जिले के खिलाड़ियों ने भी अपनी अहम भूमिका निभाई। कोच निर्मल सिंह पूनिया ने बताया कि गांव सिलवाला के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ी गुरशरण सिंह सिलवाला और गुरजीवन सिंह सिलवाला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन दोनों खिलाड़ियों की मेहनत और खेल में परिपक्वता ने राजस्थान टीम को फाइनल तक पहुँचाया और सिल्वर पदक जीतने में मदद की। गुरूवार को खिलाड़ियों और उनके कोच निर्मल सिंह पूनिया के हनुमानगढ़ लौटने पर उन्हें खेल प्रेमियों ने भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। हनुमानगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से लोग और खेल प्रेमी कड़ी धूप में भी खिलाड़ियों और कोच का स्वागत करने के लिए पहुंचे। खेलप्रेमियों ने कोच व खिलाड़ियो का माला पहनाकर अभिनंदन किया। कोच निर्मल सिंह ने खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, लगन और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सिर्फ खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि उनके परिवारों, स्कूलों और प्रशिक्षकों की भी है। राजस्थान की इस वॉलीबॉल टीम ने न केवल राज्य का नाम रोशन किया, बल्कि युवा खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरी है। यह सफलता राज्य सरकार और खेल विभाग के लिए भी उत्साहवर्धक है, क्योंकि यह दिखाता है कि प्रदेश में युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए सही दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पन्नालाल कडेला, हंसराज झाझेवाल, एडीईओ बाबूलाल मीणा, जिला खेल कूद केंद्र से ओम सेन, राजस्थान वालीबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बसंत सिंह मान, शारीरिक शिक्षक प्रभु दयाल, सुबा सिंह, जनक सिंह, सुखदीप सिंह, आत्माराम बेनीवाल, प्रेम कुमार मंदा, विक्रम बेनीवाल, हैप्पी छब्बा, कुलदीप बांदर, अरविंद माहिया, राजेन्द्र वर्मा, पवन गोदारा, कैलाश सीवर, ओम सेन, बाबूलाल, प्रीतम मान, गुरप्रीत सिंह, गोरा सिंह मान, मनदीप सिंह, ककू सिंह सहित अन्य खेल प्रेमी मौजूद थे।

अबोहर में ट्राली की टक्कर से वकील की मौत

5 दिन पहले हुई थी शादी, थार से आ रहा था, वकीलों ने किया काम बंद

जनमार्ग न्यूज

अबोहर। अबोहर के मलोट रोड पर कल देर रात एक थार सड़क किनारे खड़ी एक ट्राली में टकरा गई। जिसमें ड्राइवर वकील की मौत हो गई। यह घटना इतनी भयानक थी कि थार चकनाचूर हो गई। मृतक की 5 दिन पहले ही शादी हुई थी और मृतक अबोहर के मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन का भतीजा था। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। इधर अबोहर के सभी वकीलों ने शोक स्वरूप पूरा दिन काम बंद रखा। जानकारी के अनुसार, चननखेड़ा निवासी एडवोकेट सुजोत बराड़ आयु करीब 26 साल थी। एडवोकेट सुजोत बराड़ अपनी थार में से मलोट रोड की ओर से आ रहा था कि जब वह गोबिंदगढ़ पुल के पास बने बी आर विल्ला पैलेस के पास पहुंचा तो उसकी थार एक ट्राली में टकराकर चकनाचूर हो गई। जबकि वह बुरी तरह से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया जहां पर उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे रेफर कर दिया गया और परिजन उसे बठिंडा मैक्स अस्पताल ले गए। जहां पहुंचने के कुछ समय बाद ही देर रात उसकी मौत हो गई।

फाजिल्का में पड़ी सर्द ऋतु की पहली धुंध: विजिबिलिटी जीरो, वाहनों की थमी रफ्तार

यलो अलर्ट किया जारी

जनमार्ग न्यूज

फाजिल्का। पंजाब के फाजिल्का जिले में शीत लहर के लिए अलर्ट जारी किया गया है। जहां पर भारत-पाकिस्तान सरहद से सटे फाजिल्का जिले के शहरों में अब सर्दी की पहली धुंध ने वाहनों की रफ्तार रोक दी है। हालांकि माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए निकले हैं। विजिबिलिटी जीरो होने के चलते सड़कों पर वाहनों की लाइट जलती दिखाई दी। वहीं वाहन ड्राइवरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पंजाब-चंडीगढ़ में शीतलहर का असर दिख रहा है। लगातार तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत में 24 दिसंबर तक शीतलहर का असर बना रहेगा। वहीं फाजिल्का में तापमान 3 डिग्री से कम दर्ज किया। लेकिन इसी बीच पड़ रहे कोहरे ने वाहनों की रफ्तार रोक कर रख दी है। सर्द ऋतु की पहली धुंध आज पड़ी। जिसके चलते फाजिल्का के जलालाबाद से तस्वीर सामने आई, जहां पर हाईवे पर विजिबिलिटी जीरो दिखाई दी।

दिन में जली वाहनों की लाईटें: इतना ही नहीं माता-पिता अपने बच्चों को खुद वाहनों पर स्कूल छोड़ने के लिए निकले, जबकि हाईवे पर वाहनों के इंडिकेटर और लाईटें जलती दिखाई दी। हालांकि फाजिल्का जिले में यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं लोगों को जरूरी काम होने के चलते ही घर से बाहर निकलने की अपील की जा रही है।

भ्रष्टाचार के आरोपों पर शिकायत, गरीबों को हो रही परेशानियां

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। ग्राम पंचायत 22-23 एनडीआर के ग्रामीणों ने गुरूवार को जिला कलक्टर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद हनुमानगढ़ को ज्ञापन देकर सरपंच पति पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरपंच पति गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों से पैसा वसूलता है। ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा योजना के तहत केटल शैड (पशु शेड) निर्माण स्वीकृत किए गए थे, लेकिन सरपंच पति ने बिना किसी ठोस कारण के इन शेडों का निर्माण रोक दिया और ग्रामीणों को धमकाते हुए निर्माण कार्य पर रोक लगाने के आदेश जारी किए। ग्राम पंचायत ने नोटिस जारी किया था जिसमें कहा गया कि कुछ व्यक्तियों के घर गांव के गुवाड़ में हैं और उनका पशु शेड निर्माण विवादित भूमि पर हो रहा है। इसके बाद, पंचायत ने उक्त व्यक्तियों को आदेश दिया कि वे अपने पशु शेड को हटाकर स्थान खाली कर दें, अन्यथा पंचायत द्वारा उसे हटाया जाएगा। इस संदर्भ में गांव के गरीब किसानों और मजदूरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा, वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 21 आवास स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से कई आवासों पर भी सरपंच पति ने विवाद उठाया और लोगों को धमकाया कि वे अपना आवास ना बनवाएं। सरपंच ने यह धमकी दी कि यदि लोग अपने आवास बनाएंगे तो उनके खिलाफ पुलिस में मुकदमा दर्ज करवा दिया जाएगा। ग्राम पंचायत द्वारा जिन 10 लोगों के पशु शेड और प्रधानमंत्री आवास पर विवादित भूमि का हवाला दिया गया, उनमें से कई लोग पहले से इन योजनाओं के तहत पट्टे प्राप्त कर चुके थे, लेकिन अब इन पर भी रोक लगा दी गई। इन लोगों में से कुछ के प्रधानमंत्री आवास निर्माण पहले ही हो चुके थे, लेकिन सरपंच पति की कार्रवाई से उनका निर्माण कार्य रुक गया। इस मामले में यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि सरपंच पति द्वारा इन गरीब लोगों से निर्माण कार्य जारी रखने के लिए 20,000 रुपये तक की मांग की जाती है। जिन लोगों ने यह रकम दी, उनके निर्माण कार्य को पूरा करने की अनुमति दी जाती है, जबकि जो लोग पैसे नहीं देते, उनके निर्माण कार्य को पंचायत की लेटरपेड से रोक दिया जाता है। आरोप है कि सरपंच पति ने गांव के गरीब लोगों को डरा धमका कर पैसा वसूला और उन्हें कड़ी परेशानियों में डाला। इस स्थिति को लेकर गांववाले भारी परेशान हैं, क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री आवास और पशु शेड के निर्माण के लिए बार-बार पंचायत के चक्कर लगाने पड़ते हैं और उन्हें यह धमकियां मिलती हैं कि उनका घर अतिक्रमण में है। ग्रामीणों ने जिला कलक्टर से शिकायत की है और उनसे निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जिन लोगों को पहले ही प्रधानमंत्री आवास और पट्टे मिल चुके थे, उनके घर अब विवादित कैसे हो सकते हैं। ग्रामीणों ने जिला कलक्टर से आग्रह किया है कि इस मामले में शीघ्र जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि गरीब लोगों को न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसे भ्रष्टाचार को रोका जा सके। इस मौके पर रेवंतराम चौयल, रामकुमार गोदारा, देशराज, कुलदीप, अमरजीत, मखन सिंह, मीताराम, जीत सिंह, गुरमीत सिंह, पालाराम, गुरप्रीत, रंगाराम, राजेन्द्र, घुकर सिंह, रेशम सिंह, वीरचंद, देशराज, किकर सिंह व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

मरीज पागलों जैसा नाचता है... युगांडा में फैली रहस्यमय 'डिंगा डिंगा' बीमारी

एक्सपर्ट को याद आया साल 1518 में फैला डांसिंग प्लेग

कंपाला। अफ्रीकी देश युगांडा में डिंगा डिंगा नाम की एक रहस्यमय बीमारी तेजी से फैल रही है। इस बीमारी के तेजी से बढ़ते मरीज डॉक्टरों की चिंता बढ़ा रहे हैं क्योंकि इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। देश के बुंडीबुग्यो जिले में ये बीमारी फैली है, जहां इससे करीब 300 लोग पीड़ित हुए हैं। यह बीमारी महिलाओं और लड़कियों को ज्यादा प्रभावित कर रही है। एक और अफ्रीकी देश कांगों में भी नई बीमारी फैली है। इस बीमारी से 30 मौतें हो चुकी हैं, जिससे चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

युगांडा के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस बीमारी की वजह और संभावित इलाज खोजने पर काम कर रहे हैं। डॉक्टरों के लिए राहत की बात ये है कि इससे अभी तक कोई मौत नहीं हुई है। आमतौर पर एक हफ्ते में इसके मरीज ठीक हो रहे हैं। डॉक्टरों ने बताया है कि इस बीमारी के लक्षणों में बुखार और शरीर में बहुत तेज कंपकपी (डांस जैसा) होती है। कुछ गंभीर मामलों में मरीजों में लकवा जैसे लक्षण भी देखे गए हैं।

1518 में फैले प्लेग को याद कर रहे डॉक्टर

युगांडा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी को डिंगा डिंगा के लक्षण महसूस होते हैं तो बिना देर किए अस्पताल आएं। सामुदायिक स्वास्थ्य टीमें फिलहाल एंटीबायोटिक दवाएं इससे प्रभावित मरीजों को दे रही हैं। स्थानीय डॉक्टर कियिता क्रिस्टोफर ने बताया है कि मरीज आमतौर पर एक हफ्ते के अंदर ठीक हो रहे हैं लेकिन हम सभी से अपील करते हैं कि घरेलू नुस्खों से इलाज की कोशिश ना करें।

डिंगा डिंगा से पीड़ित लोगों का शरीर खतरनाक तरह से हिलता है, जो डांस करने जैसा लगता है। इससे प्रभावित लोगों के लिए चलना असंभव हो जाता है, क्योंकि उनका शरीर से नियंत्रित हट जाता है। इस वजह से कुछ एक्सपर्ट इस बीमारी की तुलना 1518 में फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में फैले डांसिंग प्लेग से भी कर रहे हैं, जब इससे बीमार लोग बैचेनी में नाचते हुए मर जाते थे।

कांगों में भी फैली बीमारी

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में भी पांजी स्वास्थ्य क्षेत्र में एक अज्ञात बीमारी फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कांगो में अब तक 394 मामले सामने आए हैं और 30 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीमारी के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, खांसी, नाक बहना और शरीर में दर्द शामिल है। इस बीमारी पर ज्यादा जानकारी के लिए स्वास्थ्य एक्सपर्ट जांच कर रहे हैं।

दो भाइयों का सब्जियों से 4 करोड़ टर्नओवर: 100 एकड़ में लगाते हैं टमाटर, गोभी और शिमला मिर्च; तीन पॉली हाउस भी बनाए

शिवपुरी। शिवपुरी में दो किसान भाई उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर टमाटर और शिमला मिर्च की खेती से लाखों रुपए कमा रहे हैं। इसके अलावा गोभी, बैगन, तरबूज, खीरा आदि की फसल भी करते हैं। खास बात है कि दोनों भाइयों को कोई फसल के लिए पौध नहीं लानी पड़ती। वे खुद ही 3 एकड़ जमीन पर पॉली हाउस बनाकर पौध की जर्मिनेशन का कार्य करते हैं, जिससे तत्काल पौध लगने से बेहतर फसल तैयार होती है। आज दोनों भाइयों का सालाना टर्नओवर 4 करोड़ से भी ज्यादा है।

स्मार्ट किसान सीरीज में दोनों किसान भाई के बारे में जानेंगे कि वे कैसे सब्जियों की खेती करते हैं। जिले के कोलारस तहसील के निवोदा गांव के किसान गिरवर रावत और उनका भाई महेंद्र रावत 2015 से करीब 100 एकड़ में हरी सब्जियों की खेती कर रहे हैं। उन्होंने 3 एकड़ जमीन में 4 पॉली हाउस बना रखे हैं।

पॉली हाउस में टमाटर, शिमला मिर्च, तीखी मिर्च, गोभी, बैगन, तरबूज और खीरा की पौध खुद ही तैयार करते हैं। वर्तमान में उन्होंने 80 एकड़ में टमाटर की खेती कर रखी है, शेष 5 एकड़ में गोभी और 12 एकड़ में शिमला मिर्च की पैदावार हो रही है।

पॉली हाउस में टमाटर, शिमला मिर्च, गोभी आदि के पौधे तैयार किए जाते हैं।

किसान गिरवर रावत ने बताया कि उन्होंने दो एकड़ जमीन में 3 और 4 हजार वर्ग मीटर के 4 पॉली हाउस हैं। सीड (बीज) से पौधे का निर्माण कराने के लिए 150 हॉल की कई ट्रे को लिया जाता है। जिसके प्रत्येक हॉल की गहराई 52 एमएम की होती है। इसके बाद कोकोपिट खाद तैयार करते हैं। खाद को ट्रे में डाल कर सीड (बीज) को डाला जाता है।

करीब 3 से 7 दिन में टमाटर, शिमला, तीखी मिर्ची, गोभी, बैगन, तरबूज और खीरा बीज अंकुरित हो जाता है। इसके बाद सभी ट्रे को पॉली हाउस में रख दिया जाता है। सभी की पौध तैयार होने में करीब 30 दिन का समय लगता है। इस बीच सभी पौध में फव्वारा से पानी और जरूरत के हिसाब से फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करना पड़ता है। पौधा तैयार होने के बाद इन्हें खेतों में रोपण के लिए ले जाया जाता है।

किसान गिरवर ने बताया, उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करके उन्होंने इस बार 80 एकड़ में टमाटर की फसल की है। इस बार उन्होंने 15 जुलाई से खेत में टमाटर की पौध लगाने की शुरुआत की। 15 सितंबर तक पौधा टमाटर का फल देना शुरू कर देता है। 15 सितंबर से 10 मार्च के लगभग टमाटर की खेप मंडियों में जाना शुरू हो जाती हैं।

टमाटर की फसल बेचने मंडी नहीं जाना पड़ता। खेत से दिल्ली और उत्तर प्रदेश के व्यापारी खुद ही टमाटरों को क्रेटों में भरकर हर दिन ले जाते हैं। वर्तमान में 800 से लेकर 900 क्रेट टमाटर अलग-अलग मंडियों में जा रहा है। वर्तमान में प्रति क्रेट का भाव 660 रुपए चल रहा है, लेकिन मंडियों में 500 रुपए से लेकर 1600 रुपए के बीच रहता है।

गिरवर रावत ने बताया, टमाटर की खेती करने के लिए पहले खेत की जुताई करनी पड़ती है। फिर मशीन से बेड बनाए जाते हैं। खाद फर्टिलाइजर डालते हैं। ड्रिप लाइन बिछाई जाती है। मशीन से मल्चिंग कर पौधे की ट्रांसप्लांटिंग की जाती है। पौधा लगने के 10 दिन बाद हाथों से सभी की ड्रेंचिंग (फर्टिलाइजर) की जाती है। बाद में बांस और तार की मदद से पौधों को खड़ा किया जाता है। इस बीच जरूरत के अनुसार कीटनाशक का छिड़काव भी किया जाता है। इस तरह की प्रक्रिया शिमला, तीखी मिर्ची, गोभी, बैगन, तरबूज और खीरा के लिए की जाती है।

गिरवर रावत बताते हैं कि 80 एकड़ में उन्होंने टमाटर लगाया है। इसमें 15 जुलाई से लेकर 10 मार्च तक उनका करीब 2 करोड़ का खर्च होगा, लेकिन अब तक डेढ़ करोड़ उनकी लागत से वापस मिल चुके हैं। बाजार में टमाटर जाने का सिलसिला मार्च के पहले सप्ताह तक जारी रहेगा। सब कुछ ठीक रहा तो उन्हें दो करोड़ रुपए का मुनाफा मिलेगा।

12 एकड़ के खेत में 20 अगस्त को शिमला मिर्च की खेती की थी। करीब 40 दिन बाद फल आना शुरू हो चुका है। इसकी खेती में 15 लाख की लागत आई थी। उन्हें फरवरी तक चलने वाली शिमला मिर्च से 25 लाख के मुनाफे का अनुमान है। इसी प्रकार गोभी 10 अगस्त को बोई थी। 15 अक्टूबर तक फल आना शुरू हो गया था। अक्टूबर माह में 20 दिन में गोभी पर डेढ़ लाख खर्च कर 8 लाख का मुनाफा कमाया। अब फिर गोभी की फसल तैयार की जा रही है।

गिरवर रावत बताते हैं कि उनके पिता रामचरण लाल रावत पारंपरिक खेती गेहूं और सरसों की फसल करते थे। साल 2006 से हम दोनों भाई भी पिता की खेती में मदद करने लगे। उस वक्त सरसों और गेहूं से मुनाफा मिलता था, लेकिन संतुष्टि नहीं मिलती थी।

पंजाबी सिटी एक्सटेंशन में सप्लाई हो रहा है मिट्टी मिला पेयजल

● पीएचईडी व एलएंडटी अधिकारियों से पाइप लाइन होने से किया इंकार

● कॉलोनी के निवासी गंदा पेयजल पीने को मजबूर

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पावन धाम रोड स्थित पंजाबी सिटी एक्सटेंशन व आसपास की कॉलोनियों में लम्बे समय से मिट्टी मिला पेयजल सप्लाई हो रहा है। इस संबंध में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग तथा एलएंडटी अधिकारियों को अनेकों बार अवगत करवाया जा चुका है, परंतु अभी तक इस परेशानी का कोई समाधान नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार पावन धाम रोड स्थित पंजाबी सिटी एक्सटेंशन व आसपास के क्षेत्र में कई दिनों से मिट्टी मिला पेयजल सप्लाई आ रहा है। अनेकों बार बदबूदार पानी भी सप्लाई में आता है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि फिल्डर का इस्तेमाल करने के बाद भी यह पानी पीने लायक नहीं है। लम्बे समय से इस समस्या का सामना कर रहे हैं। गंदा पेयजल पीने से बीमारियां बढ़ने का

खतरा भी बना रहता है। पंजाबी सिटी एक्सटेंशन निवासी परविन्द्र सिंह ने बताया कि लम्बे समय से गंदा पानी सप्लाई में आ रहा है। फिल्डर का इस्तेमाल करते हैं परंतु पानी से बदबू नहीं जाती। मजबूरन बाजार से पानी की खरीदकर पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। परविन्द्र सिंह ने बताया कि इस संबंध में पीएचईडी व एलएंडटी अधिकारियों को अनेकों बार इस समस्या से अवगत करवाया जा चुका है, परंतु दोनों विभागों के अधिकारी इस क्षेत्र में पेयजल सप्लाई की पाइप लाइन से होने से मना कर रहे हैं, जिस कारण इस क्षेत्र के लोगों को मजबूरन गंदा पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। हैरानीजनक है कि अगर पंजाबी सिटी एक्सटेंशन में पीएचईडी व एलएंडटी की पेयजल सप्लाई की पाइप लाइन ही नहीं है तो यहां पर पेयजल सप्लाई कौन कर रहा है। अगर इस कॉलोनी में पेयजल कनैक्शन अवैध है तो इसे लगाने वालों को सरंक्षण किसने दिया।

लोहे की रॉड-डंडे से हमलाकर युवक को किया घायल

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। नगर परिषद में कनिष्ठ अभियंता पद पर तैनात अधिकारी सहित चार जनों के खिलाफ निजी कम्पनी में नौकरी करने वाले कर्मचारी पर हमला कर चोटें मारने का मामला सामने आया है। इस संबंध में कनिष्ठ अभियंता सहित तीन के खिलाफ नामजद व एक अन्य के खिलाफ जंक्शन पुलिस थाना में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पुलिस के अनुसार सुनील जाट (26) पुत्र दीवानसिंह निवासी प्लॉट नम्बर 27, दीप विहार पांचावाला सिरसी रोड जयपुर पीएस करणी विहार जयपुर हाल सौ फुटी रोड पीएनटी कॉलोनी, सुरेशिया, हनुमानगढ़ जंक्शन ने लिखित रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि वह काश्ता पाइप कीर्ति इंडस्ट्रीज कम्पनी में हाल सेल्स एसोशिएट के पद पर कार्यरत है। बुधवार की रात को कम्पनी के मैनेजर नवनीत चौधरी जंक्शन में संगरिया रोड स्थित मार्केन होटल में आए हुए थे।

अभिनंदन समारोह में डिप्टी सीएम बैरवा सहित कई कैबिनेट व राज्यमंत्री शामिल होंगे : बिहाणी

● सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर कल भव्य समारोह

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार को भामाशाह सेठ सुशील कुमार बिहाणी खेल मैदान में दोपहर 11.30 बजे होने वाले 'एक साल- बेमिसाल' कार्यक्रम की तैयारियां जोर शोर से जारी है। विधायक जयदीप बिहाणी ने बताया कि 'अभिनंदन समारोह में ' भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन सिंह राठौड़, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, जल संशाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, सामाजिक न्याय-अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, सहकारिता, सिविल एविएशन मंत्री गौतम दक,उद्योग वाणिज्य मंत्री के. के. बिश्नोई, गृह गोपालन मंत्री जवाहर सिंह बेढम संसदीय व विधिक मंत्री जोगाराम पटेल,पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ आदि भाग लेंगे। विधायक बिहाणी ने कहा कि राज्य के अलावा श्रीगंगानगर विधानसभा क्षेत्र में भी रिकार्ड विकास कार्य हुए है। सूरतगढ़ और हनुमानगढ़ रोड़ पर 9 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से नाला निर्माण, राजकीय अस्पताल में केंसर विंग का निर्माण तथा 25 बैड का नशा मुक्ति केंद्र खोला गया है। जिला मुख्यालय पर मिनी सचिवालय के निर्माण के लिए बजट का आंवटन करने के अलावा किसानों को पर्याप्त नहरी पानी उपलब्ध करवाने के लिए फिरोजपुर फीडर की मरम्मत के लिए 200 करोड़, भाखड़ा और गंगनहर के लिए 50 करोड़ रुपए तथा गंगानगर में रेलवे अंडरब्रिज निर्माण के लिए 30 करोड की मंजूरी जैसे उल्लेखनीय कार्य हुए है। विधायक बिहाणी ने कहा कि यह पहला मौका है जब राज्य के बजट में गंगानगर के लिए एक हजार करोड़ रुपए के कार्य मंजूर हुए है।

बदमाशों ने तीन युवकों पर की फायरिंग, एक मौत

● पंजाब से राजस्थान घूमने आए थे हमलावर

जनमार्ग न्यूज

देवली। टोंक जिले के देवली में पंजाब निवासी बदमाशों ने तीन युवकों पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। जिसे बदमाश कार में डालकर अपने साथ ले गए और देवली से 45 किलोमीटर दूर सुनसान इलाके में कार में लाश छोड़कर फरार हो गए। वहीं फायरिंग में दूसरे युवक के भी कंधे से छूकर गोली निकल गई। साथ ही तीसरा साथी किसी तरह से जान बचाकर मौके से भाग निकला। घटना गुरुवार रात 7.30 बजे जयपुर रोड स्थित सिद्धार्थ होटल के पास की है। सूचना के बाद एसपी विकास सांगवान रात करीब 11:30 बजे देवली पहुंचे। जहां पर घटना का सीन रिक्रिएट करते समय एसपी ने देवली बस स्टैंड के बाहर मिठाई की दुकान के पास बलेनो कार में बैठे पीड़ित बीरू कंजर से मामले की जानकारी ली। पीड़ित बीरू ने थाना प्रभारी राजकुमार नायक को बताया कि संतोष की पंजाब निवासी तीन लोगों से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। जो गुरुवार को राजस्थान में घूमने के लिए आए थे। बदमाश जयपुर से बस से देवली में पहुंचे। जहां पर बदमाशों ने फोन पर संतोष से होटल में कमरा दिलाने की बात की। साथ ही बदमाशों ने कहा कि उनके पास कार नहीं है। इस पर संतोष, बीरू और कमल उन्हें लेने के लिए देवली बस स्टैंड के बाहर मोबाइल की दुकान के पास पहुंच गए। जहां दोनों पक्ष की मुलाकात हुई।

अमरपुरा थेड़ी में कच्ची भट्ठी व 2800 लीटर वाश नष्ट

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। आबकारी निरोधक दल ने गांव अमरपुरा थेड़ी में कार्रवाई करते हुए सात कच्ची भट्ठी व 2800 लीटर लाहन नष्ट करवाया। यह कार्रवाई आबकारी निरोधक दल जोन बीकानेर के उपायुक्त पोमाराम व जिला आबकारी अधिकारी संजीव पटावरी के नेतृत्व में की गई। आबकारी निरोधक दल ने आबकारी थाना संगरिया के साथ रेड गश्त का आयोजन कर टाउन थाना क्षेत्र के गांव अमरपुरा थेड़ी में दबिश दी। इस दौरान सात कच्ची भट्टियां नष्ट की व करीब 2800 लीटर उत्तेजित वाश (लाहन) नष्ट करवाया। इसके अलावा हथकढ़ शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री बबरी, मिट्टी की भट्टी, लोहा ड्रम, देकचा, पानी लाने के लिए प्रयुक्त प्लास्टिक पाइप, लकडियां, तिरपाल आदि सामग्री मौके पर नष्ट करवाई। जिला आबकारी अधिकारी संजीव पटावरी के अनुसार आबकारी विभाग की ओर से हथकढ़ शराब की कशीदगी व बिक्री की रोकथाम के लिए निरंतर रेड गश्त का आयोजन किया जा रहा है। भविष्य में भी यह कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में संगरिया आबकारी थाना के प्रहराधिकारी कमल सिंह, आबकारी अधिकारी कार्यालय के जमादार हुसैन खान व जाब्ता शामिल रहा।

पीएनबी में ग्राहक सेवा समिति की बैठक आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पंजाब नेशनल बैंक के मंडल कार्यालय श्रीगंगानगर में मंडल प्रमुख सुधीर कुमार के नेतृत्व में ग्राहक सेवा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उप मंडल प्रमुख सुभाष चंद्र डेलू और मुख्य प्रबंधक विनोद कुमार चंदेल भी उपस्थित रहे। बैठक में अनेक ग्राहक अमनदीप सैनी, नरेश सेठी, अशोक कुमार, रेखा शर्मा आदि ने भाग लिया। बैठक में ग्राहकों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया और बैंक की योजनाओं, जैसे बचत खाता, चालू खाता, डिजिटल पहल आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर सुधीर कुमार ने कहा कि पंजाब नेशनल बैंक हमेशा से ही ग्राहक केंद्रित बैंक रहा है और अपनी उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के माध्यम से केंद्रीय और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ सार्वजनिक कल्याण के लिए हमेशा कार्य करता रहेगा।

युवती के साथ गैंगरेप करने का एक आरोपी गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

चूरू। चूरू के रतनगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती के साथ गैंगरेप के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सात दिसम्बर को युवती ने रतनगढ़ थाना में गैंगरेप और अपहरण करने का मामला दर्ज करवाया था। रतनगढ़ पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसको पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। रतनगढ़ डीएसपी अनिल कुमार ने बताया कि सात दिसम्बर को युवती ने मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि उसके घर सिलेंडर लेने के लिए एक युवक आया था। इस दौरान युवती कमरे में सो रही थी। परिवार के सभी लोग बाहर गए हुए थे। युवक ने युवती को अपनी बातों मे लेकर अमीर व्यक्ति से शादी करवाने का झांसा दिया। जिसके बाद युवती को जयपुर भेज दिया गया।

सूरतगढ़ में संघर्ष समिति का 40वें दिन भी धरना जारी

● थर्मल पावर प्लांट को जॉइंट वेंचर में देने का विरोध

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट सहित उत्पादन निगम को जॉइंट वेंचर के माध्यम से बेचे जाने का विरोध लगातार जारी है। इसे लेकर थर्मल के मुख्य द्वार के आगे संयुक्त संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन शुक्रवार को 40वें दिन भी जारी है। इस बीच जयपुर में होने वाले धरने के समर्थन में गुरुवार रात को सूरतगढ़ से दो बसों में करीब एक सौ अधिकारी और कर्मचारी यहां से नारेबाजी करते हुए रवाना हुए। इंटक के प्रदेश महामंत्री श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि जयपुर में संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर 20 दिसंबर को विद्युत भवन के आगे पूरे राजस्थान के उत्पादन, प्रसारण एवं वितरण निगम के कर्मचारी धरना प्रदर्शन में शामिल होंगे। इसी के तहत सूरतगढ़ मुख्यालय से भी करीब 100 अधिकारी और कर्मचारी बसों के जरिए जयपुर के लिए रवाना हुए। उन्होंने बताया कि उत्पादन निगम और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के मध्य किए जाने वाले संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) के विरोध में तथा वर्ष 2004 के बाद नियुक्त कर्मियों को ओपीएस का लाभ दिलवाने के लिए संयुक्त संघर्ष समिति थर्मल के मुख्य द्वार पर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है।

तीसरी मंजिल से गिरी महिला, मौत

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। जयपुर में तीसरी मंजिल से गिरकर एक महिला की मौत हो गई। सेफ्टी जाली नहीं लगी होने के कारण काम करते समय पैर फिसलने से नीचे आ गिरी। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने लापरवाही के चलते महिला की मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई कल्याण प्रसाद ने बताया कि हादसे में गोकुल विहार बुद्धसिंहपुरा सांगानेर निवासी मूली देवी (45) पत्नी पप्पूलाल की मौत हो गई। वह सीतापुरा रिको एरिया में मजदूरी के लिए गई थी। मंगलवार को वह बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर काम कर रही थी। दोपहर करीब 3 बजे काम करते समय पैर फिसलने से अनियंत्रित होकर नीचे ग्राउंड फ्लोर पर आ गिरी। ठेकेदार ने साथी मजदूरों के साथ मिलकर गंभीर घायल हालत में मूली देवी को महात्मा गांधी हॉस्पिटल में एडमिट करवाया।

सर्दी में पशुपालकों को आवश्यक सावधानियां रखने का दिया सुझाव

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पशुपालन विभाग ने सर्दी के मौसम में पशुओं में होने वाले गलघोंटू, पाश्चूरेला हिमोलाईटिका संक्रमण पीपीआर, एफएफडी मिक्सड संक्रमण इत्यादि रोगों के संक्रामक की रोकथाम के लिये आवश्यक टीकाकरण समय पर कराकर रोग से निदान का उपाय किये जाने का अनुरोध पशुपालकों से किया है। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. नरेश गुप्ता ने बताया कि पशुओं के शीत आघात से सुरक्षा को देखते हुए जिला श्रीगंगानगर व अनूपगढ़ में पशु आवासों, पशु गृहों व पशु बाड़ों के पशुपालकों को विभिन्न प्रकार की सावधानियां रखने की सलाह विभाग द्वारा दी गई है। पशुपालक एनिमल शेड्स में जूट की टाटपट्टी/तिरपाल आदि का उपयोग करें ताकि पशुओं विशेषकर छोटे पशुओं एवं पोल्ट्री आदि को विशेष सुरक्षा प्रदान की जा सके। पशु आवास गृहों में सूखी घास/चारे आदि की बिछावट की जाये। छोटे पशुओं एवं पोल्ट्री आदि को सर्दी के समय पशु गृह के भीतर ही रखा जाये। पशु आवासों में हवा तथा प्रकाश की व्यवस्था रखी जाये ताकि समुचित वेंटिलेशन तथा नमी रहित रखा जा सके। पशुओं के बीमार होने की स्थिति में सामयिक एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, निकटवर्ती पशुचिकित्सक से करवाया जाये व गौशाला में टीकाकरण, डीवर्मिंग एवं उपचार इत्यादि कार्य सुनिश्चित किये जाये।

अमर शहीद बाबा मोतीराम मेहरा सभा
श्रीगंगानगर
विशाल धार्मिक समागम

22 दिसम्बर 2024, रविवार
सुखमणी साहिब का पाठः
सुबह 09.30 बजे
स्थान : धन-धन बाबा दीप सिंह गुरुद्वारा
पदमपुर रोड, श्रीगंगानगर

हरीसिंह मेहरा
सेवादार
श्यामलाल सोतरा
प्रधान
सोनू मेहरा, साधुवाली
सचिव
जसकरण सिंह मेहरा
सेवादार

सेवादार : काबल सिंह मेहरा, मोहन सिंह मेहरा, जोगेन्द्र सिंह मेहरा, राहुल मेहरा, मनजीत सिंह मेहरा सहित मेहरा समाज के अन्य प्रबुद्ध नागरिक व सेवादार।

सिंचाई विभाग की करोड़ों रूपए की जमीन मुक्त करवाने की मांग

● राजस्थान पोर्टल पर आधा दर्जन परिवाद दर्ज

● विभाग के अधिकारियों पर खानापूर्ति का आरोप

जनमार्ग न्यूज

सादुलशहर। स्थानीय सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा राजस्थान पोर्टल पर एक परिवाद का निस्तारण करने का दावा करते हुए अपलोड़ कर देने से परिवाद दर्ज करवाने करीबन एक दर्जन लोगों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित लोग कैरी पन्ना सदन के प्रदीप झोरड़ के नेतृत्व में स्थानीय सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता कार्यालय में पहुंचे और परिवाद का निस्तारण किए जाने पर आपत्ति दर्ज करवाते हुए कहां कि स्थिति अभी भी वहीं है जोकि परिवाद दर्ज करवाने हरीश यादव की और से 13 दिसंबर 2024 को सिंचाई विभाग खाली पड़ी जमीन पर लगातार हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ 181 पर परिवाद दर्ज करवाया गया था, जिसका क्रमांक संख्या 122405221481087 है। जिसका बिना किसी वार्तालाप के विभाग ने अपनी ओर से जुठा जवाब देकर निस्तारण दिनांक 18 दिसंबर 24 को रद्द करवा दिया। हरीश यादव की ओर से इस पर आपत्ति दर्ज करवाते हुए परिवाद पर असंतुष्टि दर्ज करवाई गई है। हरीश यादव ने बताया कि सिंचाई महकमे के जेईएन द्वारा उसें सिंचाई विभाग में बुलाए जाने पर वह अन्य लोगों के साथ जाकर मिला तो जेईएन द्वारा उसे ही अतिक्रमण कर रहे व्यक्तियों के नाम बताने और साथ चलकर नोटिस देने का फरमान जारी कर दिया गया।इससे सवाल उठता है कि जब अतिक्रमण नहीं हटा और न ही अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिए गए तो परिवाद का निस्तारण कैसे हुआ? क्या राजस्थान पोर्टल पर दर्ज होने वाले परिवाद गंभीरता से लेकर महज खानापूर्ति समझा गया? सिंचाई महकमे की करोड़ो रूपये की जमीन पर अतिक्रमण अधिकारियों की मौन स्वीकृति से हो रहे हैं? इन सब तथ्यों की जांच उच्चाधिकारियों को करने की आवश्यकता है। सिंचाई विभाग की खाली पड़ी जमीन पर अतिक्रमण की शिकायत एसडीएम करते हुए अतिक्रमण हटाने का आग्रह किया जा चुका है। कारोनाकाल के दौरान खुले में विचरण करने वाली बेजुबान गायों को एकत्रित कर सिंचाई विभाग की खाली पड़ी भूमि पर गौशाला खोली गई थी, जिसमें युवा निस्वार्थ भावना गायों की सेवा करते थे। प्रशासन द्वारा उनको वहां से हटा दिया गया था।

- इनका कहना है

अतिक्रमण को लेकर राजस्थान जनसंपर्क पोर्टल पर 6 से 7 परिवाद दर्ज हो होने के बावजूद भी महकमे के अधिकारी खानापूर्ति कर रहे हैं। इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

- हरीश यादव, सादुलशहर

करोड़ों रूपए की भूमि अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उपखंड स्तर की जनसुनवाई में भी मुद्दा उठाया जाएगा।

- प्रदीप झोरड़, सादुलशहर

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692